36*C अधिकतम | 28*C न्यूनतम

कुशल श्रमिकों के नियोजन के लिए आयोजित किए जाएंगे शिविर 02

रेडजोन राजनांदगांव में प्रशासन को चुनौती देते कई दुकानदार सम्पूर्ण 07

दैनिक
छत्तीसगढ़ वॉच
स्थानीय हितों के लिए
7

वर्ष : 14 - रायपुर संस्करण | रायपुर, बुधवार 1 जुलाई 2020 | अंक-337 | पृष्ठ - 8 | मूल्य: 1 रुपए

चीन से आर्थिक जंग को कम न समझे

डोकलाम से बदतर होंगे नतीजेः भारत

चीन की अर्थव्यवस्था को नुकसान नहीं पहुंचा सकता भारत

भारत के ऐप बैन से चीन की संबंधित कंपनियों पर असर जरूर पड़ेगा लेकिन भारत ऐसी स्थिति में नहीं है कि चीन की बेहद ताकतवर अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सके। अखबार ने दावा किया है कि लद्दाख में हुई घटना के बाद चीन शांति से भारत सरकार से द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापारिक संबंधों की रक्षा की अपील कर रहा है लेकिन अब %मोदी सरकार राष्ट्रवाद की भावना के आगे फेल हो गई है और घरेलू दबाव के चलते यह कदम उठाया है।पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारतीय सेना से हिंसक झड़प करने के बाद भी न सिर्फ चीन इसका आरोप भारत पर मढ़ता रहा, बल्कि बातचीत के दौरान बनी सहमति का पालन करने की जगह अपनी पीपल्स लिबरेशन आर्मी के साथ सीमा पर डटा रहा। भारत ने आखिरकार कड़ा रुख अपनाते हुए सोमवार को चीन के 59 ऐप्स को बैन कर दिया। इस कदम से बौखलाए सरकारी मीडिया ने भारत पर न सिर्फ तंज बल्कि धमकी देना भी शुरू कर दिया है। चीन के ने भारत को आर्थिक जंग की धमकी दे डाली है और कहा है कि इसके परिणाम पहले से बदतर होंगे। भारत से पंगा लेकर चीन ने खुद अपने पांऊं में कुल्हाड़ी मारी है हर मोर्चे पर भारत की ताकत का चीन को एहसास हो रहा है चीन की बौखलाहट स्वभाविक है. अगर चीन के लोग भारत के प्रॉडक्ट्स बॉयकॉट करना भी चाहें तो उन्हें भारतीय प्रॉडक्ट्स मिलेंगे ही नहीं। भारतीय दोस्तों, आपको राष्ट्रवाद के अलावा ज्यादा अहम चीजों की भी जरूरत है।% हालांकि, ग्लोबल टाइम्स का हमला सिर्फ तंज तक सीमित नहीं है। अलग-अलग लेखों में उसने भारत को इसके कारण होने वाले नुकसान गिनाए हैं। ग्लोबल टाइम्स का कहना है कि एक साल पहले तक भारत चीनी निवेशकों का सबसे पसंदीदा मार्केट था।

उसे अगला वन बिलियन मार्केट कहा जाने लगा था जिससे चीन के मोबाइल इंटरनेट के लिए अहम माना जा रहा था। 2017 से 2020 तक भारत में चीनी निवेश 10 बिलियन डॉलर पहुंच गया था। लेकिन पहले कोरोना वायरस और फिर सीमा पर तनाव के बाद संबंध बदलने लगे।

सीमा विवाद- भारत के समर्थन में खुलकर उतरा फ्रांस

भारत और चीन के बीच सीमा पर जारी तनाव के बीच फ्रांस ने भारत को अपना समर्थन दिया है. फ्रांस की रक्षामंत्री फ्लोरेंस पार्ली ने गलवान वैली की हिंसक झड़प में 20 भारतीय जवानों का शहादत पर दुख जाहिर किया है. फ्रांस की रक्षामंत्री ने भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सोमवार एक चिट्ठी लिखी थी. भारतीय जवानों को खोना बेहद दुखद है, ना सिर्फ जवानों के परिवारों के लिए बल्कि पूरे भारत के लिए. इन कठिन परिस्थितियों में मैं फ्रांसीसी सशस्त्र बलों के साथ अपने दृढ़ और मैत्रीपूर्ण समर्थन को जाहिर करती हूं. मैं भारतीय सशस्त्र बलों के साथ-साथ शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करती हूं.% सूत्रों की मानें तो फ्रांस की रक्षा मंत्री ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ जल्द अगली बातचीत की भी इच्छा जाहिर की है. संयोग से भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी फ्रांसीसी समकक्ष से बातचीत की. जयशंकर ने एक ट्वीट में लिखा- %फ्रांस के विदेश मंत्री के साथ व्यापक चर्चा हुई. हमने समसामयिक और राजनीतिक महत्व के मुद्दों पर बात की. इसके अलावा कोविड-19 से संबंधित चुनौतियों का समाधान पर भी हमारी सहमति बनी. समर्थन के लिए धन्यवाद और हम साथ काम करने के लिए तत्पर हैं. विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और फ्रांसीसी विदेश सचिव फ्रांस्वा डेल्ट्रे के दोनों देशों के बीच सहयोग, वैश्विक मुद्दों पर विचारों के साथ कोरोना वायरस महामारी पर चर्चा की थी. इस दौरान फ्रांस ने 2021-22 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की भागीदारी का स्वागत किया था.

59 चाइनीज ऐप बैनः मचा हड़कंप

भारत सरकार की तरफ से 59 चाइनीज ऐप के बैन किए जाने से चीन में हड़कंप मच गया है. भारत के फैसले का चीन में बड़ा असर हो रहा है. चीन के सोशल मीडिया पर भारत की तरफ से लगाया गया बैन ट्रेंड कर रहा है. नाम से बना हैशटैग पर कल से ही ट्रेंड कर रहा है. चीन के लोग सोशल मीडिया पर भारत के लिए गए फैसले से परेशान दिखे.

प्रदेश के होटलों में फूटा कोरोना बम, मिले 36 कोरोना मरीज

रायपुर । छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर अब छत्तीसगढ़ का बड़ा हॉट स्पॉट बनते नजर आ रहा है। इसी बीच खबर सामने आई है कि रायपुर में 4 और नए कोरोना मरीज मिले हैं।इसके साथ ही रायपुर में कुल आज 53 मरीज मिले हैं। जबकि पूरे प्रदेश में आज 59 मामले सामने आए हैं।जानकारी के अनुसार आज छत्तीसगढ़ के रायपुर- 53, कांकेर- 2, दुर्ग- 1, बेमेतरा- 1, राजनांदगांव- 1 और बलौदाबाजार- 1 नए मरीज की पुष्टि हुई है।स्वास्थ्य विभाग द्वारा मिली जानकारी के अनुसार राज्य में अब तक कोरोना के संभावित कुल 156386 लोगों का सैंपल लेकर जांच किया गया है, जिनमें कुल 2761 मरीज कोरोना संक्रमित पाये गये है। इनमें से 2150 मरीजों को स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज भी किया गया है। जबकि अब तक 13 मरीजों की मौत भी हुई है। हालांकि जिन मरीजों की मौतें हुई है उनमें 09 मरीजों को पूर्व से ही गंभीर बीमारियां थी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदेश के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अंबिकापुर और छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर में कोविड सेम्पल की जांच ट्रु-नॉट विधि द्वारा किए जाने हेतु लैब प्रारंभ किया गया है।

जन्म के समय लिंगानुपात में छत्तीसगढ़ देश में अव्वल

छत्तीसगढ़ में बेटियों की सुरक्षा को लेकर किये जा रहे राज्य सरकार के प्रयासों का असर दिख रहा है। ताजा जारी आंकड़ों के अनुसार जन्म के समय लिंगानुपात (एसआरबी) में छत्तीसगढ़ देशभर में अव्वल है। प्रदेश में अन्य राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की तुलना में लिंगानुपात कहीं बेहतर है।

हाल ही में रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त द्वारा वर्ष 2018 के आंकड़े जारी किए गए हैं, जिसमें छत्तीसगढ़ में 1000 पुरुषों की तुलना में 958 महिला हैं। वहीं, प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में भी लिंगानुपात सर्वाधिक 976 है। जबकि राष्ट्रीय स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में 1000 पुरुषों की तुलना में 900 महिला हैं। इन आंकड़ों से पता चलता है कि देश के सर्वाधिक शिक्षित राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में कन्या भ्रूण हत्या और महिला सुरक्षा को लेकर प्रदेश सरकार संजीदगी से कार्य कर रही है। ज्ञात हो कि प्रदेश में बेटियों की सुरक्षा के लिए जन जागरूकता के साथ ही सरकारी प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश में मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना सहित कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं साथ ही सोनोग्राफी सेंटर्स पर ट्रैकिंग सिस्टम लगाए गए हैं। इन प्रयासों का ही असर है कि छत्तीसगढ़ शिक्षित राज्यों को पीछे छोड़कर लिंगानुपात में टॉप पर है।

कोरोना से मौत, कूड़े के ढेर जैसे फेंके गए शव

कर्नाटक के बल्लारी से एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें साफ देखा जा सकता है कि कोरोना से मौत के बाद शवों को कितने गलत ढंग से दफनाया जा रहा है। इस मामले में बल्लारी के डेप्युटी कमिश्नर ने सफाई दी है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा की ओर से भी घटना पर दुख जाहिर किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह का रवैया अपनाया गया वह बहुत अमानवीय है। उन्होंने कहा, मैं स्टाफ से आग्रह करता हूं कि वे यह महसूस करें कि कोई भी धर्म मानवता से बड़ा नहीं है।

दवा कंपनी में गैस लीक से 2 की मौत

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में एक बार फिर गैस लीक होने की घटना सांमने आई है। सोमवार देर रात एक दवा कंपनी में गैस लीक होने के बाद दो लोगों की मौत हो गई है जबकि चार लोगों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने बताया, जिन लोगों की मौत हुई है वे लीकेज वाले स्थान पर मौजूद थे। स्थिति नियंत्रण में है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उदय कुमार ने कहा, अब स्थिति नियंत्रण में है।

आसमान से बरसी मौत बिजली गिरने से 11 की मौत

पटना। बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से 11 लोगों की मौतमुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया है मुआवजे का ऐलान बिहार में एक बार फिर आसमान से आफत बरसी है. मंगलवार को आकाशीय बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई. राज्य के 5 जिलों में आकाशीय बिजली गिरने से मानवीय क्षति हुई है. राजधानी में 2, छपरा में 5, नवादा में 2, लखीसराय में 1 और जमुई में एक की मौत हुई है. वहीं, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मरने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वह प्रभावित परिवारों के साथ हैं. नीतीश कुमार ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये मुआवजा देने का ऐलान किया है. इससे पहले गुरुवार को बिहार में आकाशीय बिजली गिरने और आंधी-तूफान से भारी तबाही हुई थी. बिजली गिरने से बिहार में 83 लोगों की मौत हो गई थी. जबकि कई लोग झुलस गए थे. इसके अलावा उत्तर प्रदेश में भी बिजली गिरने से कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई थी.

12वीं के स्टेट टॉपर को इंजीनियरिंग करने छत्तीसगढ़ पुलिस करेगी आर्थिक मदद

रायपुर । डीजीपी डीएम अवस्थी ने आज यहां पुलिस मुख्यालय में 10वीं और 12वीं कक्षा की मेरिट लिस्ट में आये मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया। सम्मान समारोह में मुंगेली जिले के 12वीं के स्टेट टॉपर टिकेश वैष्णव ने कहा कि वो बिट्स पिलानी से कम्प्यूटर साइंस से इंजीनियरिंग करना चाहते हैं। लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति बहुत ही कमजोर है। टिकेश ने बताया कि उनके पिता की छोटी सी दुकान है जिससे इंजीनियरिंग की फीस जमा कर पाना संभव नहीं है। मेरे पिता दिन-रात मेरी फीस के लिए ही चिंतित रहते हैं। इस पर अवस्थी ने कहा कि आपके पिताजी को फीस की चिंता करने की जरूरत नहीं है। हम आपको फीस के लिए आर्थिक सहयोग देंगे। आप अपने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाइये और बिट्स पिलानी जाने की तैयारी करिये।

एक महीने में 6 बार कांपी घाटी की धरती

जम्मू। देश के अलग-अलग हिस्सों में भूकंप आने की घटना के सामने आने के साथ ही आज जम्मू-कश्मीर के कटरा में भी भूकंप की झटके महसूस किए गए. 4.0 तीव्रता के आए भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत का माहौल रहा. लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और पार्क में जाकर बैठ गए. बता दें कि मंगलवार की सुबह जब लोग अपने काम में लगे हुए थे तभी करीब 8 बजकर 56 मिनट पर भूकंप के तेज झटके लगे. भूकंप का केंद्र कटरा से लगभग 84 किलोमीटर पूर्व बताया गया है. नेशनल सेंटर फॉर सिस्मलॉजी के मुताबिक भूकंप का केंद्र जमीन से लगभग दस किलोमीटर नीचे था. हाल में आ रहे भूकंप को देखते हुए पूरे भारत को चार भूकंपीय जोन में बांटा गया है. वैज्ञानिकों के मुताबिक जोन 5 में जिन क्षेत्रों को रखा गया है वहां पर 9 तीव्रता का भूकंप आ सकता है.

पश्चिम बंगाल में जून 2021 तक देंगी मुफ्त राशन

नई दिल्ली- पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि उनकी सरकार गरीबों को जून 2021 तक मुफ्त राशन देगी. उनका कहना है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को देश की पूरी आबादी को मुफ्त राशन देना चाहिए. आपको बता दें कि आज शाम 4 बजे प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में ऐलान किया कि 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' का विस्तार नवंबर महीने के आखिर तक कर दिया गया है. इससे 80 करोड़ लोगों को और पांच महीनों तक मुफ्त राशन मिलेगा. इसके कुछ ही देर बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ऐलान किया कि उनकी सरकार ने गरीबों को मुफ्त राशन देने की योजना को जून 2021 तक बढ़ाने का फैसला लिया है. इसके अलावा चीन के साथ जारी सीमा विवाद पर ममता बनर्जी ने कहा कि कुछ ऐप्स पर प्रतिबंध लगाना पर्याप्त नहीं है, हमें चीन को करारा जवाब देना चाहिए.साथ ही मुख्यमंत्री ने राज्य में एक जुलाई से शुरू हो रहे अनलॉक-2 के बारे में जानकारी दी. उन्होंने कहा कि बंगाल में सुबह 5.30 से 8.30 तक मॉर्निंग वॉक की छूट रहेगी. ऐसा करते वक्त सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करना होगा.

निगम-मंडलों में जगह पाने दावेदारों ने लगाई पूरी ताकत

0-आलाकमान से हरी झंडी मिलने के बाद होगा नामों का ऐलान

रायपुर। राज्य के विभिन्न निगम-मंडलों में रिक्त पदों पर नियुक्ति पाने कांग्रेस के दावेदारों ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। पीसीसी के पास अब तक सैकड़ों की संख्या में आवेदन आ चुके हैं। पीसीसी के लिए निगम-मंडलों में नियुक्ति के लिए नाम फाइनल करना भी टेड़ी खीर साबित हो रहा है, पीसीसी किसी को भी नाराज नहीं करना चाहता, वहीं दूसरी ओर दावेदारों की लिस्ट इतनी अधिक लंबी हो गई है कि इनमें से चंद नामों को छांटना भी वर्तमान में मुमकिन नजर नहीं आ रहा है, यही वजह है कि अभी तक इस मुद्दे को लेकर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

राज्य में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हैं, निगम-मंडलों में नियुक्ति का मामला भी अटका पड़ा है। कांग्रेस इस समय पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों को लेकर केन्द्र सरकार पर जमकर निशाना साध रहा है। पीसीसी भी इसमें पीछे नहीं है, राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में पेट्रोल-डीजल को लेकर धरना-प्रदर्शन का दौर जारी है। ऐसे में निगम-मंडलों में जगह पाने की जुगत करने वाले दावेदार कांग्रेस के सभी धरना-प्रदर्शनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। वरिष्ठ नेताओं की नजर में बने रहने तथा संगठन में अपनी अहमियत दर्ज कराने में कोई दावेदार पीछे नहीं होना चाहता। दूसरी ओर पीसीसी के समक्ष यह कठिनाई है कि निगम-मंडलों के लिए ऐसे नाम फाइनल किया जाए जिससे सभी वर्ग संतुष्ट हों और कोई नाराज भी न हो। यह मुश्किल काम है, क्योंकि दावेदारों की लिस्ट लंबी है और इनमें से चंद नाम ऐसे हैं जिन्हें हटाने से असंतुष्टों की बाढ़ आ सकती है। लिहाजा पीसीसी की मंशा स्पष्ट है कि नाम ऐसे फाइनल हों जिससे सभी संतुष्ट हों। दूसरी ओर दावेदार अब अपने-अपने नेताओं पर दबाव बनाना शुरू कर चुके हैं, वरिष्ठ नेता भी इस दुविधा में हैं कि अपने गिने-चुने कट्टर समर्थकों में से किनका नाम आगे बढ़ाएं और किनका नाम पीछे करें। हालांकि प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी पीएल पुनिया राज्य का दौरा कर दावेदारों की नब्ज टटोल चुके हैं। वहीं पीसीसी के वरिष्ठ नेताओं से भी उनका संपर्क लगातार बना हुआ है। ऐसे में अब देखने वाली बात होगी कि पीसीसी से कितने दावेदारों की लिस्ट फाइनल कर आलाकमान को भेजा जाता है और आलाकमान से कितने नाम फाइनल होकर आता है।

देवी दर्शन करने गए दुर्घटना में नौ साल की बच्ची सहित चार महिलाएं जख्मी

कोरबा। सोमवार शाम को रतनपुर-कोरबा मार्ग पर करी गांव के पास बस और कार में जबरदस्त भिड़ंत हो गई। जिसमें 9 साल की बच्ची के अलावा चार महिलाएं जख्मी हो गई। सोमवार को कोरबा क्षेत्र की कुछ महिलाएं किराए के कार टाटा नेक्सन सीजी-12 आर-1800 में सवार होकर रतनपुर देवी दर्शन के लिए आई थी। शाम को वे सभी लौट रही थी। इसी तरह गढ़वा से करीब 46 मजदूरों को लेकर आनंद टूरिस्ट ट्रैवल्स की बस हैदराबाद जा रही थी।

जानकारी के अनुसार यह घटना सोमवार शाम करीब 4.15 बजे के आसपास करी गांव के पास कार और बस में जबरदस्त भिड़ंत हुई। जिससे कार खाई में जा गिरी। इस दुर्घटना में कार चालक कंवर को मामूली चोटे आई, लेकिन कार में सवार बाकीमोंगरा निवासी कविता महंत को गंभीर चोट लगी है। उसके अलावा कुसमुंडा की सुप्रीता कुर्रे, गेवरा बस्ती की लक्ष्मी श्रीवास, कलावती श्रीवास को भी चोटें आई है। वहीं 9 साल की त्रिशा श्रीवास को भी मामूली चोट लगी है। जिनका इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है, तो वही रतनपुर पुलिस आनंद टूरिस्ट ट्रैवल्स की बस क्रमांक टीएन-49 एचडी 8653 के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर कार्यवाही कर रही है। इस दुर्घटना में किसी भी बस सवार को कोई चोट नहीं लगी है।

मुख्यमंत्री ने कोरोना काल में यात्री बस संचालकों को दी बड़ी राहत

जून माह के मासिक कर में भी मिली छूट, बस संचालकों को 5 करोड़ रूपए का होगा लाभ

रायपुर। मुख्यमत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश क यात्री बस संचालकों को कोरोना संकट से उत्पन्न हुई विषम परिस्थितियों में बड़ी राहत दी है। उन्होंने यात्री बस संचालकों को जून माह के मासिक कर में भी छूट प्रदान कर दी है। इसके पहले राज्य सरकार द्वारा अप्रैल और मई माह के मासिक कर में छूट प्रदान की गई थी। इस तरह छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा बस ऑपरेटरों को अप्रैल, मई और जून तीन माह के मासिक कर के भुगतान की छूट मिली है। राज्य शासन के इस निर्णय से प्रदेश के यात्री बस संचालकों को लगभग पांच करोड़ रूपए का लाभ प्राप्त होगा।

गौरतलब है कि कोरोना वायरस (कोविड-19) के दौरान लॉकडाउन से उत्पन्न परिस्थिति में प्रदेश के बस ऑपरेटरों की विभिन्न कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। जिनसे राहत पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने परिवहन विभाग को निर्देश दिए थे। लॉकडाउन की अवधि में यात्री बसों का उनके निर्धारित मार्ग में संचालन बंद रहा। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देश पर परिवहन विभाग द्वारा बीते 4 जून को प्रदेश के अंतर्राज्यीय व अखिल भारतीय

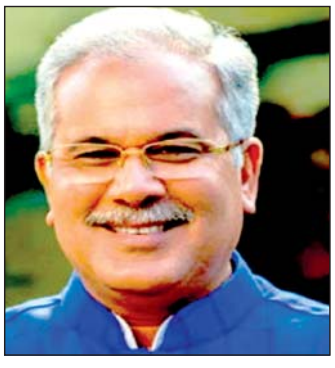

पर्यटक परमिट तथा समस्त मंजिली यात्री वाहनों को माह अप्रैल और मई की अवधि के लिए मासिक कर के भुगतान से पूरी छूट दी गई थी। प्रदेश के विभिन्न मार्गों में नियमित रूप से चलने वाली यात्री बसों का संचालन जून माह की अवधि में भी पूर्णत: बंद रहा है। जिससे प्रभावित बस संचालकों द्वारा टैक्स में छूट की मांग पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने जून माह में भी देय मासिक कर में छूट प्रदान कर दी है। जिससे आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे बस संचालक लाभान्वित होंगे। राज्य शासन के इस निर्णय से प्रदेश के यात्री बस संचालकों को देय राशि लगभग पांच करोड़ रूपए का लाभ होगा। इसी प्रकार मुख्यमंत्री श्री बघेल ने वाहन निष्प्रयोग में रखने के पूर्व अग्रिम देय मासिक कर जमा करने के प्रावधानों से भी दो माह की अवधि के लिए छूट दिए जाने संबंधी कार्यवाही के निर्देश परिवहन विभाग को दिए हैं।

बस संचालक अब घर बैठे ऑनलाइन ले सकेंगे स्पेशल परमिट

बस संचालक अब घर बैठे ही शादी, पिकनिक, मेला और तीर्थयात्रा आदि विशेष कार्य के लिए जारी किए जाने वाले स्पेशल परमिट ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर राज्य सरकार द्वारा बस संचालकों को सुविधा देने के लिए स्पेशल परमिट को पूर्ण रूप से ऑनलाइन किया जा रहा है। बस संचालकों को शादी, पिकनिक, मेला और तीर्थयात्रा आदि विशेष कार्य के लिए अस्थायी रूप से परमिट लेना पड़ता है। अब ऑनलाइन प्रक्रिया से अस्थायी परमिट के लिए बस संचालकों को परिवहन कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा और अस्थायी परमिट अब घर बैठे आसानी से प्राप्त हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में विवाह, पिकनिक, मेला और तीर्थयात्रा जाने के लिए स्पेशल परमिट जारी होता है। परिवहन विभाग द्वारा परमिट की इस सम्पर्ण प्रक्रिया को सरल करते हुए इसे ऑनलाइन किया जा रहा है। बस संचालक परिवहन विभाग की जाकर स्वयं फार्म भरकर स्पेशल परमिट ले सकेंगे। बस संचालक के द्वारा स्पेशल परमिट के आवेदन से लेकर परमिट हेतु टैक्स और फीस पटाने की सुविधा भी ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी।

खास-खबर

जिले में अभी तक औसत वर्षा 308 मि.मी. दर्ज की गई, 30 जून को सर्वाधिक राजिम तहसील में

गरियाबंद वॉच ब्यूरो। गरियाबंद जिले में चालू मानसून सत्र में गत 01 जून से 30 जून 2020 तक औसत वर्षा 308 मि.मी. दर्ज की गई है। भू-अभिलेख शाखा गरियाबंद से प्राप्त जानकारी के अनुसार 30 जून को सर्वाधिक वर्षा राजिम तहसील में 82.8 मि.मी. दर्ज की गई है। इसी प्रकार देवभोग तहसील में 48.6 मि.मी., मैनपुर तहसील में 34.3 मि.मी. और छुरा तहसील में 5.3 मि.मी. वर्षा हुई। जबकि गरियाबंद में वर्षा दर्ज नही की गई है।

जिला बाल संरक्षण समिति की बैठक में कलेक्टर ने दिया बच्चों से भिक्षावृत्ति नषावृत्ति व बाल श्रम कराने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देष

कवर्धा। कलेक्टर श्री रमेश कुमार शर्मा की अध्यक्षता मे किषोर न्याय (बालकों के देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के तहत गठित जिला बाल संरक्षण समिति एवं जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की त्रैमासिक बैठक कलेक्टोरेट सभा कक्ष मे किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया की महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत एकीकृत बाल संरक्षण कार्यक्रम का संचालन किषोर न्याय (बालको के देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के तहत किया जा रहा है इस कार्यक्रम में देखरेख एवं संरक्षण की जरूरतमंद बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार कर सुरक्षा संरक्षण प्रदान करते हुए समाज के मुख्यधारा से जोड़ना तथा उनका संस्थानिकरण एवं पुनर्वास किया जा रहा है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने किषोर न्याय (बालकों के देखेरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए एकीकृत बाल संरक्षण योजना, किषोर न्याय बोर्ड, बाल कल्याण समिति में प्राप्त प्रकरणो बाल देखरेख संस्था शासकीय बालगृह, विषेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण, क्रेडल बेबी रिसेप्षन सेंटर एवं चाईल्ड लाईन 1098 के कार्यो का विस्तृत जानकरी दी गई जिसका समिति द्वारा समीक्षा किया गया। कलेक्टर श्री शर्मा द्वारा जिले में बाल भिक्षावृत्ति, नषावृत्ति, बाल श्रम के प्रभावी रोकथाम के लिए पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, षिक्षा विभाग, नगरीय प्रषासन विभाग समाज कल्याण विभाग एवं चाईल्ड लाईन की टीम बनाकर विषेष अभियान चलाते हुए ऐसे बच्चों का चिन्हांकन कर उनके नियोजकों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने निर्देष दिया गया। किषोर न्याय (बालकों के देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 75, 76, 77, 78 एवं 85 में बालक के प्रति करुरता, भीख मांगने के लिये बालक का नियोजन, बालक को मादक लिकर या स्वापक औषधि या मन: प्रभावी पदार्थ देने के लिए शास्ति, नि:षक्त बालको पर किए गए अपराध के लिये पांच लाख तक अर्थदण्ड व सात से दस वर्ष तक कारावास या दोनो से दण्डित किये जाने का प्रावधान है। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला षिक्षा अधिकारी, उप संचालक समाज कल्याण विभाग, श्रम पदाधिकारी, सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, पुलिस विभाग, बाल कल्याण समिति एवं किषोर न्याय बोर्ड के सामाजिक सदस्य, विषेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण, चाईल्ड लाइन, शासकीय बालगृह, सखी वन स्टाप सेंटर एवं आईसीपीएस के अधिकार-कर्मचारी उपस्थित थे।

दंतेवाड़ा में महिला थाना खोलने महिला कांग्रेस ने एसपी को सोंपा ज्ञापन*

महिला थाना खुलने से महिलाओं पर हो रहे अत्याचार पर लगेगी लगाम- तुलिका

दंतेवाड़ा। जिले में महिला थाना खोलने आज जिला पंचायत अध्यक्ष एवम महिला कांग्रेस अध्यक्ष तुलिका कर्मा व महिला कांग्रेस के सदस्यों ने पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव को ज्ञापन सोंपा। तुलिका कर्मा ने बताया कि जिले में महिला थाना खुलने से महिलाओं पर हो रहे अत्याचार पर लगाम लगेगा। जिस तरह से पूरे देश में महिलाओं पर हिंसा हो रहे हैं, जिससे महिलाएं असहज महसूस कर रहे हैं। दंतेवाड़ा जिले में भी आए दिन महिलाओं पर उत्पीड़न के मामले सामने आते हैं। जिले में महिला थाना नहीं होने के कारण महिलाओं को दर-दर भटकना पड़ता है। तुलिका ने आगे बताया कि यह थाना महिलाओं का अपना थाना होगा, जिससे कोई महिला बेझिझक होकर अपनी परेशानी बता सकते हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक पल्लव ने कहा कि जिले में महिला थाना खोलने की पहल सराहनीय है। जल्द ही महिला थाना की स्थापना की जाएगी, जिससे महिलाओं पर होने वाले अत्याचार में कमी आएगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान गीतांजलि कुशवाहा, इंद्रा ठाकुर एवम अन्य मौजूद थे।

कुशल श्रमिकों के नियोजन के लिए आयोजित किए जाएंगे शिविर

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने की विकास कार्यों की समीक्षा

सुकमा। कलेक्टर चंदन कुमार ने वापस लौटने वाले मजदूरों के रोजगार के लिए किए जा रहे प्रयासों के संबंध में मंगलवार को आयोजित समय सीमा बैठक में जानकारी ली। लाईवलीहुड कॉलेज के प्रभारी सहायक संचालक ने बताया कि मजदूरों के नियोजन के लिए 1 से 3 जुलाई तक विभिन्न स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा और मजदूरों को दक्षता के अनुसार रोजगार से जोड़ा जाएगा। स्किल मैपिंग के आधार पर प्रवासी श्रमिकों की काउंसिलिंग तीनों विकासखण्ड में रखी गई है। 1 जुलाई को हाईस्कूल बुड़दी, बीआरसी भवन कोंटा, पंचायत भवन कुंदनपाल, 2 जुलाई को पंचायत भवन केरलापाल, पोटा केबिन एर्राबोर, पंचायत भवन कुकानार, तीन जुलाई को हाईस्कूल गादीरास, मंगल भवन दोरनापाल और पंचायत भवन तोंगपाल में शिविर आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर ने निर्माण एजेंसियों को इन शिविरों में

पहुंचकर कुशल श्रमिकों के नियोजन के निर्देश दिए। कलेक्टर चंदन कुमार ने सभी आवश्यक सेवाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समय-सीमा निर्धारित की गई है और इन सेवाओं में विलंब की स्थिति में अधिनियम में उल्लेखित प्रावधान के अनुसार संबंधित अधिकारियों पर जुर्माने की कार्यवाही की जाएगी।

मंगलवार को जिला कार्यालय में आयोजित समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने विकास कार्यों की समीक्षा की और कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पोर्टल में किसानों की दर्ज जानकारी के सुधार कार्य की धीमी गति पर गहरी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कोंटा तहसील क्षेत्र में शासन की नई भू-व्यावस्थापन नीति के तहत कार्यवाही और अन्य राजस्व प्रकरणों के धीमे निराकरण पर नाराजगी जाहिर करते हुए तहसीलदार को वेतन रोकने की चेतावनी दी। कलेक्टर ने कहा कि उचित मूल्य की दुकानों में राशन के धीमे भण्डारण पर नाराजगी जाहिर करते हुए प्रबंधक के विरुद्ध कार्यवाही हेतु राज्य शासन से अनुशंसा की जाएगी। कलेक्टर ने श्रमिक कल्याण के लिए संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रवासी मजदूरों के धीमे पंजीयन पर भी नाराजगी जाहिर की।

गौण खनिज के अवैध परिवहन पर रोक लगाये - कलेक्टर

बीजापुर -: जिले में राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरवा एवं बाड़ी, गौठान के संचालन व रोका-छेका अभियान को प्राथमिकता से करने के निर्देश 30 जून 2020 को दिए गए । कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिले के अंतर्गत चल रहे विभिन्न विकास कार्यो को समय सीमा में पूर्ण करने हेतु गहन समीक्षा की। कलेक्टर अग्रवाल ने जिले के चारों ब्लाकों में गौण खनिज के अवैध परिवहन पर सख्ती से कार्यवाही करते हुए रोक लगाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में पोषण बाड़ी के लिए साग-सब्जी बीज मिनीकिट की उपलब्धता सहित ग्रामीणों को पोषण बाड़ी विकसित करने प्रोत्साहित किया जाये। राज्य शासन की प्राथमिकता वाली योजना के अन्तर्गत गौठानों के समुचित संचालन एवं देखरेख हेतु गौठान समितियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। सभी-गौठानों में अभी बारिश के दौरान चारागाह विकास कार्य किया जाये। वहीं गौठानों में वर्मी कम्पोस्ट तथा नाडेप खाद बनाने सहित मवेशियों का टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान एवं उपचार सुनिश्चित किया जाये। कलेक्टर अग्रवाल ने जिले मे नरवा-गरवा, घुरवा एवं बाड़ी के सभी प्रगतिरत् कार्यो को पूर्ण करने अधिकारियों को निर्देशित किया । उन्होंने जिले में खरीफ फसल सीजन के लिए किसानों की मांग के अनुरूप बीज एवं खाद की सुलभता सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये । वहीं खेती-किसानी कार्य के लिए फसल ऋण की त्वरित सुलभता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने जिले में शत्प्रतिशत जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड, नवीन राशन कार्ड बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड, नामांतरण, बंटवारा, वनाधिकार पट्टा, वृक्षारोपण एवं नवसली पीड़ित परिवारों के लिए आवास हेतु भूमि आबंटन प्रक्रिया शुरू करने के भी निर्देश दिए। बैठक में क्रेड़ा, कृषि, उद्यानिकी, शिक्षा, सुपोषण, पानी, बिजली से लेकर अनेक विकास कार्यो को समय-सीमा के भीतर पूर्ण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत पोषण लाल चन्द्राकर, वनमण्डलाधिकारी डीके साहू सहित विभिन्न विभागों के विभाग प्रमुख तथा जिले में पदस्थ एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर्स, तहसीलदार, सीईओ जनपद पंचायत और नगरीय निकायों के सीएमओ मौजूद थे।

खम्हरिया में कृषि विभाग द्वारा किया गया पौधारोपण

जैजैपुर। जैजैपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खम्हरिया में पर्यावरण शुद्ध रखने और आधुनिक समाग्री के लिए पंचायत स्तर में किया बॉस का पौधरोपण आपको बता दें कि राष्ट्रीय बॉस मिशन योजना के तहत ग्राम पंचायत खम्हरिया में बॉस का पौधारोपण किया गया और उनकी सुरक्षा करने की ग्रामीणों को जिम्मेदारियां सौंपी गई। ग्राम खम्हरिया में 50 एकड़ किसानों के खेत पार में कृषि विभाग के द्वारा ग्राम पंचायत में राष्ट्रीय बॉस मिशन योजना के तहत ग्राम में बॉस का पौधारोपण महोत्सव के रूप में मनाया गया। इस मौके पर ग्राम पंचायत के कृषि मित्र सम्पत साहू, कृषि विभाग के अधिकारी मौके पर मवजूद रहे वही अधिकारी ने बताया कि आज बॉस से आधुनिक सामग्री बनाया जाता है जिसे अपने अपने घरों के उपयोग में लाते हैं पंचायत स्तर पर पौधे लगाकर ग्रामीणों को उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। किसानों ने कहा है की पर्यावरण को बचाने के लिए हम लोगों को अधिकाधिक पौधे लगाकर उनकी सारसंभाल की ज़रुरत है ताकि हम लोगों को शुद्ध हवा मिले पर्यावरण साफ रहे इस लिए पेड़ो की रख रखाव करने की बात कही इस मौके ग्रामीण कृषि विस्तारअधिकारी संजय सोनवानी शोमेश सिंह अशोक कर्ष कनक राम साहू अमरु उरांव मालिक राम किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

केंद्रीय ट्रेड यूनियन और किसान संगठनों का अखिल भारतीय आव्हान किसान विरोधी अध्यादेश, श्रम कानूनों में संशोधन, पेट्रोल डीजल के दामों में वृद्धि के खिलाफ 3 जुलाई को सौपेंगे ज्ञापन

गरियाबंद वॉच ब्यूरो। 3 जुलाई 2020 को केंद्रीय ट्रेड यूनियन और किसान संगठनों के संयुक्त अखिल भारतीय आह्वान पर गरियाबंद जिले के पांचों ब्लॉक मुख्यालयों में राष्ट्रपति एवं राज्यपाल के नाम अनुविभागीय दंडाधिकारी व तहसीलदार को ज्ञापन सौंप विरोध किया जाएगा।

गौरतलब है कि वैश्विक महामारी कोरोना से मुकाबला के नाम पर केंद्र सरकार ने 24 मार्च से लॉक डाउन लागू किया था। लेकिन जिस समय लॉक डाउन लागू किया गया उस समय कोरोना संक्रमितों की संख्या बहुत ही कम थी , और अब जब लॉक डाउन खोला गया है इस समय लगातार संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है। आज भारत दुनिया के संक्रमित देशों के साथ चौथे स्थान पर है। एक तरफ कोरोना के इस दौर में सरकार ने शराब दुकानों, धार्मिक स्थलों को चालू कर दिया है दूसरी तरफ धारा 144 लागू रखकर राजनीतिक धरना प्रदर्शन, हड़ताल की अनुमति पर प्रतिबंध जारी रखा है। इसकी आड़ में केंद्र सरकार बिना सदन में चर्चा किये किसान विरोधी अध्यादेश लाकर, श्रम कानूनों में संशोधन कर लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है , वहीं कच्चे तेल के दामों में भारी कमी के बावजूद देश मे लगातार पेट्रोल व डीजल के दामों में बेतहाशा वृद्धि रोज- ब - रोज जारी है जो कोरोना संकट का सामना कर रहे देश की जनता के ऊपर दोहरी मार है।

उक्त आशय की जानकारी देते हुए अखिल भारतीय क्रांतिकारी किसान सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष मदन लाल साहू, सचिव तेजराम विद्रोही, सदस्य ललित कुमार, रेखुराम, बजरंग दास, भाकपा (माले) रेड स्टार के गरियाबंद जिला सचिव उत्तम कुमार, आदिवासी भारत महासभा के प्रदेश अध्यक्ष भोजलाल नेताम, सदस्य नंदू ध्रुव, हेमलाल नेताम, ट्रेड यूनियन सेंटर ऑफ इंडिया, छत्तीसगढ़ राज्य कमेटी के अध्यक्ष भारत भूषण, सदस्य हरिशंकर यादव, रविन्द्र मरकाम, ने कहा कि सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ केंद्रीय ट्रेड यूनियन और किसान संगठन के संयुक्त आह्वान पर अखिल भारतीय क्रांतिकारी किसान सभा, ट्रेड यूनियन सेंटर ऑफ इंडिया, आदिवासी भारत महासभा के संयुक्त नेतृत्व में कोरोना संक्रमण की बचाव के सभी आवश्यक सावधानियों का पालन करते हुए गरियाबंद जिले के पाँच ब्लॉक फिंगेश्वर, छुरा, गरियाबंद, मैनपुर व देवभोग में राष्ट्रपति एवं राज्यपाल के नाम अनुविभागीय दंडाधिकारी व तहसीलदार को बीस सूत्रीय ज्ञापन सौंपा जाएगा।

ग्रामीणों ने आवेदन नहीं लेने का लगाया आरोप तहसीलदार ने ग्रामीणों के आरोप को बताया निराधर

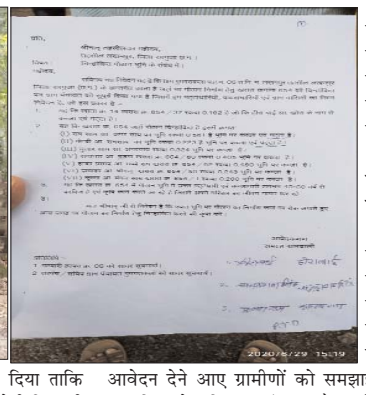

लखनपुर। राज्य शासन द्वारा चलाए जा रहे हैं गोठान बनाए जाने के मुहिम में तब एक नया मोड़ आया जब जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत गुमगरा कला में राजस्व अमला ने जब गोठान के लिए भूमि अधिग्रहित करने पहुंचा तो ग्राम वासियों ने कब्जा तथा पट्टा होने के हवाले से गोठान के लिए निर्धारित भूमियों को देने से साफ इनकार कर दिया वहीं ग्रामीणों में राजस्व अमला के समक्ष मिन्नतें करते हुए राजस्व वन भूमि खाली जमीन पर गौठान निर्माण कराए जाने का मशवरा दिया ताकि भूमि से जुड़े हुए कुछ परिवार उक्त भूमि पर खेती किसानी करके अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं ग्रामीणों ने बकायदा तहसील न्यायालय पहुंच 29 जून को आवेदन देने की कोशिश भी की है परंतु ग्रामीणों के मुताबिक तहसीलदार ने ग्रामवासियों को आवेदन लेना मुनासिब नहीं समझा जिससे ग्रामवासी काफी हताश परेशान हैं।उक्त जमीन को गोठान के लिए खाली नहीं कराए जाने की मांग शासन प्रशासन से किया है ताकि गरीब ग्रामीणों का भला हो सके।

तहसीलदार शिवानी जयसवाल

उक्त मामले में तहसीलदार शिवानी जयसवाल से चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि आवेदन देने आए ग्रामीणों को समझाइश देते हुए कहा गया कि जो भूमि ग्राम पंचायत के ग्रामीण गोठान निर्माण के लिए बता रहे हैं दरअसल वह वन भूमि है।जिस पर गोठान का निर्माण कराया जाना असंभव है तथा निर्धारित भूमि पर ही गोठान निर्माण कराया जायेगा।आवेदन नही लेने के सवाल पर उन्होंने कहा कि आवेदन लेने से इनकार नहीं किया गया है ग्रामीणों का आरोप निराधार है।

नगर पालिक धमतरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)

-::संपत्ति हस्तांतरण सूचना-::

क्रमांक/ आयुक्त/ राजस्व विभाग/ सं.नामां./2020/723 धमतरी दिनांक 29/6/2020

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्तियों के द्वारा नगर पालिक निगम प्रणाली धमतरी के मांग पंजी में नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदित संपत्ति के नामांतरण पत्र यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो लिखित आपत्ति पत्र प्रमाणित दस्तावेज सहित सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि पश्चात आवेदन पत्र पर कोई विचार नही किया जावेगा।

क्रं.	संपत्ति हस्ताक्षरकर्ता का नाम	संपत्ति हस्तांतरणकर्ता का नाम	वार्ड का नाम	नामांतरण का आधार	संपत्ति का विवरण
423	तरन्नुम बानो पति स्व मो. रफीक मुसलमान	श्रीमती चन्द्रकला पति खेमलाल साहू	रिसाईपारा पूर्व वार्ड	पंजीकृत विक्रय विलेख	प.ह.नं. 22 शीट नं. 11 ख.नं. 516 प्लाट नं. 45/2 का टुकड़ा रकबा 332 वर्गफुट
424	कुंज लाल सिन्हा पिता मनराखन लाल	अनिता यादव पिता मुकेश यादव	महात्मागांधी वार्ड	पंजीकृत विक्रय विलेख	प.ह.नं. 33 ख.नं. 2578/66 का भाग 182 रकबा 1500 वर्गफुट
425	असरफ खान पिता शब्बीर खान	हफिजुनीसा पति स्व मुस्ताक अली एवं अन्य 03	श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड	पंजीकृत विक्रय विलेख	प.ह.नं. 33 ख.नं. 1301/02 रकबा 2992 वर्गफुट
426	दिनेश मुलवानी पिता मोहनलाल मुलवानी	तुलजा राम पिता दौलतराम बजाज एवं अन्य 04	श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड	पंजीकृत विक्रय विलेख	प.ह.नं. 33 ख.नं. 346/8 में से 347/22 में से रकबा 29.46 वर्ग.मीटर
427	वरूण कुमार जैन पिता अर्जुन लाल जैन	महालक्ष्मी बिल्डकॉन धमतरी एवं अन्य 04	श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड	पंजीकृत विक्रय विलेख	प.ह.नं. 22 ख.नं. 1658/3 में से रकबा 2197 वर्ग फुट
428	भूपेन्द्र रजक पिता अरूण रजक	ललिता रजक पति अरूण रजक	नयापारा वार्ड	पंजीकृत विक्रय विलेख दानपत्र द्वारा	प.ह.नं. 33 शीट नं.35, ख.नं. 837/2 प्लाट नं. 14/6 में से रकबा 500 वर्गफुट
429	तुलसी साहू पिता डेलूराम साहू	गीता, तोमर, जन्मेजय एवं मिनाक्षी पिता विजय तोमर	गोकुलपुर वार्ड	पंजीकृत विक्रय विलेख	प.ह.नं. 33 ख.नं. 222/114 का भाग रकबा 1600 वर्गफुट
430	गजेन्द्र रजक पिता अरूण रजक	ललिता रजक पिता अरूण रजक	नयापारा वार्ड	पंजीकृत विक्रय विलेख	प.ह.नं. 33 शीट नं.35 ख.नं. 837/2 प्लाट नं. 14/6 में से रकबा 500 वर्गफुट
431	श्रीमती रेखा द्विवेदी पति अशोक द्विवेदी	मनोज कोठारी पिता प्रताप कोठारी	गोकुलपुर वार्ड	पंजीकृत विक्रय विलेख	प.ह.नं. 18/24 ख.नं. 70/93 रकबा 1200 वर्गफुट
432	नरेन्द्र देवांगन पिता अशोक देवांगन	केशवराम ढीमर पिता स्व. बृजलाल ढीमर	मराठापारा वार्ड	पंजीकृत विक्रय विलेख	प.ह.नं.33.ख.नं. 2578/181 का भाग रकबा 1890 वर्गफुट
433	वंदना रंगारी पति अनुप रंगारी	हेमलता साहू पति अशोक साहू	महिमासागर वार्ड	पंजीकृत विक्रय विलेख	प.ह.नं. 30, ख.नं. 2529/22 रकबा 0.022 हे. 2200 वर्गफुट
434	सीता देवी अग्रवाल /बजरंग अग्रवाल	जतीन मिराणी पिता प्रदीप मिराणी	श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड	पंजीकृत विक्रय विलेख	प.ह.नं. 22, ख.नं. 1279 का भाग रकबा 0.12 हे.क्षेत्रफल 1350 वर्गफुट
435	श्रीमती अगसिया बाई पति तीजूराम भाण्डेकर	अशोक कुमार पिता खम्भन लाल ढीमर	लालबगीचा वार्ड	पंजीकृत विक्रय विलेख	प.ह.नं. 16/22, ख.नं. 146/1 रकबा 0.061 हे. क्षेत्रफल 1530 वर्गफुट
436	प्रमोद कुमार अग्रवाल पिता निरंजन लाल	पुष्पा जैन पिता निरंजन लाल	लालबगीचा वार्ड	विक्रय विलेख	प.ह.नं. 16, ख.नं. 222/2 शीट नं.9 प्लाट नं. 5/2 का टुकड़ा प्लाट नं.5/3 का टुकड़ा रकबा 25.9 वर्गमीटर
437	श्रीमती लक्ष्मी सोनी पिता स्व. नन्हेलाल	ईश्वरलाल पिता स्व. भगवान दास	ब्राम्हणपारा वार्ड	पंजीकृत विक्रय विलेख	शीट नं. 33 सी, भूखण्ड क्र. 206 क्षेत्रफल 78.8 वर्गमीटर
438	श्रीमती शारदा बाई नामदेव पति स्व. प्रकाश	श्रीमती रोहणी बाई सिन्हा पति प्रकाश	सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड	विक्रय विलेख	प.ह.नं. 16/22 शीट नं. 177/2 रकबा 32.00 वर्गमीटर
439	सुखदेव राम साहू पिता डहरू राम साहू	डोमार साहू पिता गौर सिंह साहू	नयापारा वार्ड	विक्रय विलेख	प.ह.नं. 33 शीट नं. 20 बी, प्लाट नं. 88/2 रकबा 42.22 वर्गमीटर
440	धर्मेश, नंदिता,जयंत पिता मदन आनंद खांडेकर	महाराष्ट्र मंडल एवं अन्य	विवेकानंद वार्ड	बटवारानामा	प.ह.नं. 50 अ, ख.नं. 7/11, रकबा 0.809हे.
441	अखिलेश शर्मा पिता दिनेश शर्मा, 2/ श्रीमती कल्पना शर्मा पति दिनेश	नीतेश शर्मा पिता सुरेश चन्द्र शर्मा	महंत घासी दास वार्ड	विक्रय विलेख	प.ह.नं. 33 रकबा 1038 प्लाट नं. क्षेत्रफल 96.47 वर्गमीटर
442	मीना जोतवानी पति राकेश जोतवानी	श्रीमती अनिता चौबे पति दीपक चौबे	महंत घासीदास वार्ड	विक्रय विलेख	प.ह.नं. 22, प्लाट नं. 404/3 बीएचके ख.नं. 411/2 एवं शामिल 16 खसरा नं. रकबा 1022 वर्गफुट

आयुक्त
नगर पालिक निगम धमतरी

बांसपारा वार्ड को किया कंटेनमेंट जोन घोषित

धमतरी ब्यूरो। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर फैले कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। गरियाबंद जिले के संदिग्ध मरीजों का सैम्पल जांच के लिए भेजा गया है, जिसमें धमतरी के बांसपारा वार्ड निवासी एक पॉजीटिव मरीज पाया गया है। इसके मद्देनजर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समय-समय पर जारी आदेश एवं मार्गदर्शक मानक प्रचालन प्रक्रियाओं के परिपालन में कोरोना वायरस के फैलाव तथा रोकथाम को ध्यान में रख कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री जय प्रकाश मौर्य ने नगरपालिक निगम धमतरी के बांसपारा वार्ड को कंटेनमेंट जोन घोषित किया है।

बताया गया है कि उक्त चिन्हांकित क्षेत्र के तहत सभी दुकानें एवं अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। प्रभारी अधिकारी द्वारा कंटेनमेंट जोन में घर पहुंच सेवा के जरिए आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की जाएगी। कंटेनमेंट जोन के तहत सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा। कंटेनमेंट जोन का कोई भी व्यक्ति तालाब में नहीं नहाएगा। मेडिकल इमरजेंसी को छोड़कर सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा। कंटेनमेंट जोन की निगरानी के लिए लगातार पुलिस पेट्रोलिंग की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा संबंधित क्षेत्र में स्वास्थ्य की निगरानी एवं निर्देश अनुसार सैंपल इत्यादि जांच के लिए लिया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। कम्यूनिटी सर्विलेंस टीम द्वारा पॉजिटीव प्रकरण के वर्तमान निवास स्थल से चारों दिशा में 50-50 घरों पर एक्टिव सर्विलेंस कर सर्दी, खांसी, बुखार एवं सांस लेने में तकलीफ वाले व्यक्तियों की सूची मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को प्रेषित करेंगे।

ग्राम भेलवाकुदा को किया कंटेनमेंट जोन मुक्त

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री जय प्रकाश मौर्य ने कुरूद विकासखण्ड के उप तहसील भखारा स्थित ग्राम भेलवाकुदा को कंटेनमेंट जोन मुक्त कर दिया है। किन्तु सी.आर.पी.सी. 1973 के तहत धारा 144 लागू रहेगी। गौरतलब है कि भेलवाकुदा में एक कोरोना पॉजीटिव संक्रमित व्यक्ति पाए जाने के कारण इसे कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि वर्तमान में उक्त व्यक्ति की रिकवरी हो चुकी है और कान्टेक्ट ट्रेसिंग तथा कम्युनिटी सर्वे पर संक्रमित लक्षण प्राप्त नहीं हुए हैं। इसके मद्देनजर कलेक्टर ने भेलवाकुदा को कंटेनमेंट जोन से मुक्त किया है।

वार्ड में कार्रवाई के लिए प्रभारी अधिकारी नियुक्त

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री जय प्रकाश मौर्य ने नगरपालिक निगम धमतरी के कंटेनमेंट जोन बांसपारा वार्ड में कार्रवाई के लिए प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए हैं। इसके तहत निगम क्षेत्र स्तर पर स्थापित नियंत्रण कक्ष में व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास सहित क्षेत्र की सेनेटाईजिंग व्यवस्था और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आयुक्त, नगरपालिक निगम धमतरी श्री आशीष टिकरिहा की होगी। इसी तरह नायब तहसीलदार धमतरी श्री चन्द्रकुमार साहू नोडल अधिकारी/कॉन्ट्रेक्ट ट्रेसिंग, मेडिकल ऑफिसर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र इतवारी बाजार डॉ.रचना डेकार्डे को स्वास्थ्य टीम को एमओपी अनुसार दवा, मास्क, पीपीई कीट इत्यादि उपलब्ध कराने एवं बॉयो मेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन का दायित्वा सौंपा गया है।

परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग शहरी श्रीमती चित्ररेखा यादव और विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी श्री दयालराम गजेन्द्र को घरों का एक्टिव सर्विलेंस की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह लोक निर्माण विभाग के सब इंजीनियर श्री हेशवंत बघेल को केवल एक प्रवेश एवं निकास की व्यवस्था के लिए बेरिकेटिंग की जिम्मेदारी दी गई है। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी, कर्मचारियों के साथ समन्वय बनाकर उक्त सभी कार्यों का निर्वहन करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

कोरोना पॉजिटिव पाए गए दो जवान भी हुए स्वस्थ

सुकमा। कोरोना पॉजिटिव पाए गए सीआरपीएफ के दो जवान भी अब स्वस्थ हो चुके हैं और उन्हें मेडिकल कॉलेज जगदलपुर से डिस्चार्ज कर दिया गया है। सीआरपीएफ की 150वीं और 223वीं बटालियन के इन जवानों के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने की पुष्टि 24 जून को की गई थी, जिसके बाद उपचार के लिए इन्हें मेडिकल कॉलेज जगदलपुर रिफर कर दिया गया था। जवानों के स्वस्थ होने के बाद मेडिकल कॉलेज से डिस्चार्ज कर दिया गया है तथा नियमानुसार उन्हें 14 दिनों तक क्वारांटीन में रखा जाएगा। समाचार क्रमांक/326/लोकेष्वर/2020

समुदाय आधारित संवहनीय कृषि का जिले में महिला किसानों के माध्यम से हो रहा विस्तार

सूरजपुर । कलेक्टर रणबीर शर्मा के निर्देषन में जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत् विकासखड ओडगी में समुदाय आधारित संवहनीय कृषि के माध्यम से महिला किसानों के द्वारा जैविका पद्धति के माध्यम से विकास खण्ड के 80 गावों में फसलोत्पादन का कार्य किया जा रहा था, जिसमें प्रगति लाते हुए राज्य शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2020-21 में इस कार्य हेतु विकासखण्ड ओड़गी के 10 गावों में तथा विकासखण्ड सूरजपुर एवं भैयाथान के 30-30 गावों में समुदाय आधारित संवहनीय कृषि के माध्यम से जैविक पद्धति को बढावा देने तथा महिला किसानों के कृषि कार्यों पर होने वाले व्यय को कम करने के उददेश्य से विस्तार करने की अनुमति प्रदान की गई है। इसी क्रम में बिहान योजना के द्वारा विकासखण्ड सूरजपुर में 30 गावों हेतु प्रत्येक गांव से 1 कृषि मित्र एवं 1 पशु सखी का चयन किया गया है, इसी प्रकार विकास खण्ड भैयाथान हेतु भी प्रत्येक गांव से 1 कृषि मित्र एवं 1 पशु सखी का चयन किया जा कर दिनांक 26 जून को सूरजपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत केशवनगर के गोठान में तथा दिनांक 29 जून को विकास खण्ड भैयाथान के ग्राम पंचायत सुंदरपुर में बलरामपुर जिले से आये सीएमएसए सीआरपी के माध्यम से कृषि मित्रों एवं पशु सखीयों को बीजोपचार करने के विभिन्न तरीको को बताया गया जिससे उन्नत किस्म की बीज तैयार कर धान का फसल लगाया जा कर अधिक से अधिक पैदावार प्राप्त किया जा सके साथ ही जैविक खेती में किसी भी प्रकार की रासायनिक चीजो यथा खाद किटनाशक आदि को पूर्णत: प्रतिबंधित कर जीवामृत , घन जीवामृत नीमास्त्र , ब्रम्हास्त्र जैसे जैविक खाद व किटनाशक दवाईयों को स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर बनाने की विधि का भी जीवंत प्रस्तुतीकरण किया गया उपस्थित महिलाओं के द्वारा पूरी रूचि के साथ जीवंत प्रस्तुतीकरण का लाभ लेते हुए भविष्य लाभ में अपने-अपने गांव में इस वर्ष 100-100 महिला किसानो को भी लाभ दिलाने हेतु प्रतिबद्वता जाहिर की गई। उपरोक्त कृषि मित्रों एवं पशु सखियों को समुदाय आधारित संवहनीय कृषि जैविक पद्वति से करने की अवधारणा का प्रदर्शन के साथ ही मचान के माध्यम से भी खेती किये जाने की विधि का भी जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर बताया गया। इस ओरियेन्टेशन में बिहान के जिला मिशन प्रबंधक एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक तथा संबंधित विकासखण्डों के विकास खण्ड कार्यक्रम प्रबंधक यंग प्रोफेशनल सहित अन्य अमला भी उपस्थित रहें।

सूरजपुर जिले में आज की स्थिति में 443.20 मिमी औसत वर्षा दर्ज

सूरजपुर । अधीक्षक भू-अभिलेख कार्यालय सूरजपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरजपुर जिले में अब तक चालू मानसून के दौरान जिले में 1 जून से 30 जून 2020 तक वर्षा 443.20 मिमी दर्ज की गई है। जिसमें सूरजपुर विकासखंड में 453.20 प्रतिषत, भैयाथान विकासखंड में 512.20 प्रतिषत, ओड़गी विकासखंड में 494.60 प्रतिषत, रामानुजनगर विकासखंड में 224.20 प्रतिषत, प्रेमनगर विकासखंड में 333.00 प्रतिषत, प्रतापपुर विकासखंड में 635.80 प्रतिषत् वर्षा होना दर्ज किया गया है। जबकि पिछले वर्ष 30 जून तक 79.40 प्रतिषत् वर्षा दर्ज की गई थी।

रामानुजनगर के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 18 पदो पर चयनित अभ्यर्थियों का किया गया अनुमोदन

सूरजपुर । छ.ग. शासन महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्रालय रायपुर के द्वारा नियुक्ति निर्देष के तहत एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना रामानुजनगर अन्तर्गत आंगनबाडी कार्यकर्ता के 21 रिक्त पदों पर विज्ञापन जारी कर आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थे। आ.बा. कार्यकर्ता के 21 रिक्त पद पर मूल्यांकन समिति द्वारा मूल्यांकन, दावा-आपत्ति निराकरण पश्चात् जनपद पचायत के महिला एवं बाल विकास से संबंधित स्वास्थ्य एवं बाल विकास समिति की बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 18 रिक्त पदो पर अनुमोदित किया गया हैं। आंगन बाड़ी केन्द्र सोनपुर रजवारीपारा, आंगन बाडी केन्द्र हरिजनपारा त्रिपुरेष्वरपुर, आंगन बाडी केन्द्र जोबापारा त्रिपुरेष्वरपुर का जांच लंबित होने के कारण अनुमोदन रोका गया हैं। 18 आ.बा. केन्द्र के पदो पर चयन किया गया हैं जिसमें आ.बा. केन्द्र पंचवटी हरजिनपारा में प्रियंका, पवनपुर कटायतपारा में हिरामनी, पवनपुर डगनीपारा में अमिषा, पवनपुर बेदोभावना में कमलावती, रामतिर्थ उरावपारा में फुलमति, रामतिर्थ पण्डोपारा में चम्पा सिंह, जगतपुर माझपारा बाधपारा में सीमा सिंह, अर्जुनपुर गवटियापारा में गीता, कोट सरनापारा में सोनकेलिया, साल्ही साहूपारा में सरस्वती, साल्ही कटाईपारा में कुसुम, साल्ही राजापुर पण्डोपारा में फूलासो सिंह, आंमगाव सरपंचपारा में गायत्री सिंह, मदेनष्वरपुर खूटनपारा में बिम्लेष्वरी, केषवपुर अहिरापारा में पुनिता, मांजा महुआपारा में प्रियंका साहू, तिवरागुड़ी देवलापारा में कमला देवी, धनेषपुर बैगापारा में मालती इत्यादी का चयन किया गया हैं।

विभिन्न वर्गो में स्व-रोजगार हेतु ऋण के लिए आवेदन 10 जुलाई तक आमंत्रित

कोण्डागांव। कार्यालय जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति कोण्डागांव द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार विभिन्न वर्गो के बेरोजगार युवक-युवतियों ऋण हेतु आवेदन पत्र आंमत्रित किये गये है। इसमें बैंक परिवर्तित योजना के अनुसार अनुसूचित जनजाति हेतु आदिवासी स्व-रोजगार योजना एवं अनुसूचित जाति हेतु अंत्योदय स्व-रोजगार योजना एवं पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए है। इसके अंतर्गत आदिवासी एवं अंत्योदय स्व-रोजगार की पात्रता हेतु वार्षिक आय शहरी क्षेत्र में 51 हजार 500 एवं ग्रामीण क्षेत्र में 40 हजार 500 रुपये एवं पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग में पात्रता हेतु वार्षिक आय 98 हजार निर्धारित की गई है। उक्त योजना के तहत ऋण लेने हेतु इच्छुक उम्मीदवार जिला कार्यालय के प्रथम तल (जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्या0 कोंडागांव से ऋण आवेदन नि:शुल्क प्राप्त कर सकते हैं। ऋण आवेदन पत्रों में संलग्न प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, (तहसीलदार द्वारा प्रमाणित) शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, राशनकार्ड, मतदाता परिचय पत्र, आधार कार्ड इत्यादि आवश्यक होगा। आवेदन आमंत्रित करने की अंतिम तिथि 10 जुलाई 2020 तक निर्धारित है तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा।

जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष की हुई स्थापना

कोण्डागांव। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष कोण्डागांव स्थित कम्पोजिट कलेक्ट्रेट भवन में स्थापित किया गया है। उक्त नियंत्रण कक्ष एक जून से 24 घंटे संचालित हो रहा है।

बेमेतरा जिले मे अब तक कुल 1 लाख 39 हजार 889 हेक्ट. मे धान की बुआई

बेमेतरा। जिले में विगत 10 दिवस से मानसूनी बारिश होने के कारण खेतो में पर्याप्त नमी आ गई है जिससे जिले के कृषक धान एवं अन्य खरीफ फसलो की तैयारी में जुट गये है। अनुकुल मौसम स्थिति को देखते हुए कृषि विभाग भी मैदानी अमलो के माध्यम से कृषको को उन्नत खेती की तकनिकी की जानकारी दे रहे है। एवं कृषको को दलहनी एवं तिलहनी फसलो की खेती को प्रोत्साहित करने के साथ साथ उन्हे खेत की मेडो पर अरहर एवं तिल लगाने हेतु जोर दिया जा रहा है ताकि कृषको की आय में वृद्धि हो। जिले के उप संचालक कृषि श्री एमडी मानकर ने बताया कि जिले में अब तक कुल 1 लाख 39 हजार 889 हेक्ट. में धान, 12 हजार 870 हेक्ट. में सोयाबीन, 494 हेक्ट. में अरहर, 85 हेक्ट. में मक्का, 43 हेक्ट. में उड़द, 19 हेक्ट. में मुंग, 61 हेक्ट में मुंगफली, 239 हेक्ट में कपास, 2 हजार 313 हेक्ट में गन्ना एवं 3 हजार 827 हेक्ट. में अन्य फसलो की बोआई पूर्ण हो चुकी है जिससे कुल लक्ष्य का 72 प्रतिशत क्षेत्र में फसल क्षेत्राच्छादित हो गया है।

उसी प्रकार खरीफ 2020 में फसलो के अधिक उत्पादन हेतु कृषको की मांग अनुसार विभिन्न उर्वरको के रूप में कुल 52 हजार 934 मे. टन उर्वरको का सहकारी समितियों एवं निजी संस्थानो में भण्डारण हो चुका है जिसमें से वर्तमान में 17 हजार 739 में.टन युरिया, 16016 मे.टन डीएपी, 3814 में.टन एमओपी, 4384 मे.टन. एसएसपी एवं 583 में.टन एनपीके सहित कुल 42 हजार 576 में. टन उर्वरको का वितरण कृषको को हो चुका है।

शासन की विभिन्न योजनांतर्गत दलहनी एवं तिलहनी फसलो को बढ़ावा देने हेतु कृषको के खेतो में प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है जिसके लिए अब तक जिले में 610.20 क्वि. धान, 190.20 क्वि. अरहर, 30 क्वि. उड़द एवं हरी खाद के रूप में 350 क्वि. बीजो के वितरण कर नये कृषि तकनीको का प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है।

जिले के 1296 शासकीय स्कूलों के 3385 शिक्षक ऑनलाईन कक्षा संचालन में प्रशिक्षित

बेमेतरा। शासन द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम पढ़ई तुंहर दुआर के अंतर्गत सीजी स्कूल डॉट इन वेब पोर्टल में बेमेतरा जिले के सभी शिक्षकों का पंजीयन किया जा चुका है तथा सभी स्कूलों में वर्चुअल क्लास का भी गठन किया जा चुका है साथ ही लगभग 59 हजार पालकों का मोबाईल वेब पोर्टल से जोड़ा जा चुका है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री सीएस ध्रुव ने बताया कि कोविड-19 के दुष्प्रभाव से बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अभी शालाएं भौतिक रूप से प्रारंभ नहीं हुई है लेकिन बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में निरंतरता बनी रहे इसलिए शिक्षा विभाग तैयारी कर चुका है। चुंकि जिले के 1296 शासकीय स्कूलों के 3385 शिक्षक ऑनलाईन कक्षा संचालन में प्रशिक्षित हो चुके हैं। इसलिए 01 जुलाई से सभी संस्था प्रमुखों को नियमित रूप से ऑनलाईन क्लास लेने के लिए निर्देशित कर दिया गया है। ऑनलाईन क्लास के लिए शिक्षकों को पालकों तथा विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए सुविधाजनक समय-सारणी बनाने के लिए कहा गया है ताकि विद्यार्थियों को सभी विषयों का लाभ मिल सके। ऐसे विषय विशेषज्ञों का चयन भी किया जा चुका है जो विद्यार्थियों के शंकाओं का समाधान करेंगे। विद्यार्थी अपने विद्यालय के शिक्षकों द्वारा संचालित ऑनलाईन कक्षाओं और वेब पोर्टल के माध्यम से अपना अध्ययन निरंतर जारी रख सकते हैं। इस संबंध में शाला विकास समितियों से अपेक्षा है ।

कलेक्टर ने युवक के परिजनों से मुलाकात कर यथासंभव सहयोग का दिया आश्वासन

धमतरी । कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य ने रायपुर में अग्निस्नान कर आत्मदाह का प्रयास करने वाले धमतरी विकासखंड के ग्राम तेलिनसत्ती निवासी 27 वर्षीय युवक श्री हरदेव सिन्हा के घर जाकर उनके परिजनों से मुलाकात की तथा शासन-प्रशासन से यथासंभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि युवक का बेहतर ढंग से उपचार निजी अस्पताल में उच्चाधिकारियों की देखरेख में किया जा रहा है।

कलेक्टर आज शाम को पीड़ित युवक के निवासगृह में जाकर उनकी मां श्रीमती पुनिया बाई तथा पत्नी श्रीमती बसंती सिन्हा से भेंट की। कलेक्टर ने बताया कि युवक का इलाज रायपुर के निजी अस्पताल में चल रहा है तथा उनके स्वास्थ्य में लगातार सुधार आ रहा है। उनके पूछे जाने पर युवक की माता ने बताया कि सोमवार 29 जून की सुबह वह चाय पीकर घर से निकला था तथा रायपुर जाने के संबंध में किसी को कुछ भी नहीं बताया। घर में किसी से कोई विवाद नहीं हुआ था। उन्होंने यह भी बताया कि वह स्वयं व बहू मनरेगा के तहत रोजगार गारण्टी कार्य में रोजाना जाते रहे हैं। इसी तरह युवक की पत्नी ने बताया कि वह अंतर्मुखी स्वभाव के व एकांतप्रिय हैं तथा अपेक्षाकृत कम ही बात करते हैं। उनके द्वारा आत्मघाती कदम उठाए जाने के बारे में परिजनों को किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं थी। पीडीएस सेंटर से नियमित रूप से चावल उपलब्ध हो रहा था। कलेक्टर ने समझाइश देते हुए कहा कि वे किसी के बहकावे में न आएं तथा प्रशासन पर भरोसा रखें। शासन-प्रशासन द्वारा यथासंभव सहयोग किया जाएगा। इस दौरान एसडीएम धमतरी श्री मनीष मिश्रा भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि उक्त युवक द्वारा सोमवार को सिविल लाइन्स रायपुर में अग्निस्नान करने का प्रयास किया गया था। उनका उपचार रायपुर के निजी अस्पताल में चल रहा है।

तहसील माकड़ी अब फरसगांव अनुभाग में हुआ सम्मिलित

कोण्डागांव। जिला कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा द्वारा जारी आदेशानुसार माकड़ी तहसील को कोण्डागांव अनुभाग से पृथक करते हुए नवसृजित फरसगांव उपखण्ड (अनुभाग) के अंतर्गत सम्मिलित कर दिया गया है।

सूने मकान में चोरी,मामला दर्ज

रायपुर। कमरे का दरवाजा तोड़कर कमरे में रखा नगदी रुपये सहित चांदी के जेवर एवं गैस सिलेण्डर चोरी करने की रिपोर्ट सिविल लाईन थाने में दर्ज की गई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कटोरातालाब श्याम नगर निवासी श्रीमती सीमा शर्मा 55 वर्ष पति स्व.अरुण शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज करायी है ।

जिले के गरियाबंद, छुरा व राजिम में कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने के बाद चिन्हित क्षेत्र कंटेनमेंट जोन घोषित

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने जारी किया आदेश

किरीट ठक्कर

गरियाबंद। गरियाबंद जिले में विगत रविवार एवं सोमवार को कोरोना के पॉजिटिव मरीज मिलने के पश्चात संबंधित क्षेत्र के चैहदी को कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी छतर सिंह डेहरे द्वारा कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया गया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में कंटेनमेंट जोन के उक्त चिन्हित क्षेत्र अंतर्गत सभी दुकाने एवं अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठान आगामी आदेश पर्यन्त तक बन्द रहेंगे। प्रभारी अधिकारी द्वारा घर पहुंच सेवा के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति उचित दरों पर सुनिश्चित की जायेगी। सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन पूर्ण प्रतिबन्ध रहेगा। मेडिकल इमरजेंसी को छोड़कर अन्य किन्हीं भी कारणों से घर के बाहर निकलना प्रतिबंधित रहेगा।

जारी आदेश के अनुसार गरियाबंद नगर पालिका वार्ड क्र-01, वार्ड क्र-13 , ग्राम आमदी तथा छुरा विकासखंड अंतर्गत नगर पंचायत छुरा के वार्ड क्र-10, ग्राम गोंदलाबाहरा वार्ड क्र-07 और नगर पंचायत राजिम वार्ड क्र-14 में 28 एवं 29 जून को नए पॉजिटिव कोरोना मरीज मिलने की पुष्टि पश्चात सम्बंधित क्षेत्र के चिन्हित चैहदी को कंटेनमेंट जोन घोषित किया है। वहीं 3 किमी के दायरे को बफर जोन घोषित किया गया है। आदेश के तहत उक्त क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग के मानकों के अनुरूप व्यवस्था हेतु पुलिस पैट्रोलिंग सुनिश्चित की जायेगी। स्वास्थ्य विभाग के निदेशनुसार आवश्यक सर्विलांस, कान्टेक्ट, ट्रेसिंग एवं सैम्पल जांच आदि की कार्यवाही की जायेगी। साथ ही जोन में कार्यवाही हेतु अधिकारियों को दायित्व सौंपा गया है। केवल एक प्रवेश एवं निकास हेतु बैरिकटिंग हेतु कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, प्रवेश एवं निकास सहित क्षेत्र की सेनिटाइजिंग व्यवस्था एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दायित्व सौंपा गया है। कान्टेक्ट ट्रेसिंग के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी गरियाबंद को दायित्व सौंपा गया है। खण्ड चिकित्सा अधिकारी को स्वास्थ्य टीम को दवा, मास्क, पीपीई कीट इत्यादि उपलब्ध कराने एवं बॉयोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग गरियबांद के पर्यवेक्षक को घरों का एक्टिव सर्विलांस व विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को खंड स्तर पर स्थापित नियंत्रण कक्ष में व्यवस्था हेतु दायित्व सौंपा गया है।

पुलिस विभाग के अनुविभागीय अधिकारी को दुकाने बन्द करवाने और आवागमन प्रतिबंधित करने दायित्व सौंपा गया है। उक्त जोन की निगरानी एवं समन्वय के लिए पर्यवेक्षण अधिकारी नियुक्त किया गया है। अनुविभागीय दण्डाधिकारी संबंधित क्षेत्र के संपूर्ण प्रभार में रहेंगे। उपरोक्त समस्त अधिकारी-कर्मचारी आपस में समन्वय बनाकर समस्त दायित्वों का निर्वहन करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर उपरोक्त कार्यो हेतु अन्य स्थानीय अमलों की ड्यूटी लगाने हेतु अधिकृत होंगे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजिम जिला गरियाबंद (छ.ग.)
//उद्घोषणा//
रा.प्र.क्र. अ/2 वर्ष 2019-20
ग्राम-बोरसी प.ह. नं. 18
तहसील-राजिम
दिनांक 22-02-2020

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री गजानंद पिता मेहत्तर निवासी-खरारो महासमुंद , जिला महासमुंद छ.ग. द्वारा ग्राम बोरसी प.ह.नं. 18 में स्थित अपनी भू-स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 1145/3 रकबा 0.06 हे. को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु परिवर्तित किए जाने बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अत: उक्त भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु परिवर्तित किए जाने में किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो वह अपनी आपत्ति/दावा स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से उद्घोषणा दिनांक से 15 दिवस के भीतर प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यालयीन पदमुद्रा से आज दिनांक 22.02.2020 को जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी
राजिम

न्यायालय अनुविभागीय (रा.) राजिम जिला गरियाबंद (छ.ग.)
//उद्घोषणा//
रा.प्र.क्र. अ/वर्ष 2 2019-20
ग्राम-राजिम प.ह. नं. 25
तहसील-राजिम
दिनांक 30-06-2020

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक /आवेदिका अर्जुन एवं अन्य 01 पिता /पति अशोक सोनकर निवासी राजिम तहसील राजिम जिला गरियाबंद (छ.ग.) द्वारा ग्राम राजिम पटवारी ह. नं. 25 में स्थित अपनी भू-स्वामी हक की भूमि ख.नं. 501/1 रकबा 0.166 हे. को व्यावसायिक प्रयोजन हेतु परिवर्तन किए जाने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त भूमि को व्यावसायिक प्रयोजन हेतु परिवर्ति किए जाने में किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो वह अपनी आपत्ति/ दावा स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से उद्घोषणा दिनांक से 15 दिवस के भीतर प्रस्तुत कर सकता है नियत अवधि पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यालयीन पदमुद्रा से आज दिनांक 30.02.2020 को जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
राजिम

ढैंचा बीज , रासायनिक खाद का विकल्प किसानों के लिए उपयुक्त हरी खाद

गरियाबंद वॉच ब्यूरो । जिले के किसान अब रासायनिक खाद के विकल्प के तौर पर ढैंचा उगाकर हरी खाद तैयार कर रहे हैं।फिंगेश्वर व छुरा विकासखंड के किसान धान का रोपा लगाने के पूर्व अपने खेतों में ढैंचा के पौधे लगाकर हरी खाद तैयार कर रहे हैं। विदित हो कि धान की फ स ल लगाने के पूर्व , करीब एक माह पहले खेतों में ढैंचा बीज उगाया जाता है , इसके लिए सिंचाई के साधन आवश्यक है। एक माह बाद जब इसके पौधे एक से डेढ़ फीट ऊंचाई के हो जाते हैं तब इन खेतों में जोताई और मताई की जाती है। तीन से चार दिनों में ढैंचा के पौधे खेत में सड़ जाते हैं और खाद बन जाती है। ऐसे खेतों में फिर रासायनिक खाद की आवश्यकता बहुत कम होती है या रासायनिक खाद का उपयोग संतुलित मात्रा में करना होता है। एक बार इस प्रक्रिया को अपनाकर किसान खरीफ और रबी दोनों सीजन की फसल लें सकते हैं। बताया जाता है कि खरीफ की अपेक्षा रबी की फसल के लिए ये हरी खाद अधिक फायदेमंद होती है। वैसे तो इसके पौधे तीन से चार फीट तक ऊंचे हो सकते हैं किंतु इन्हें ज्यादा दिनों तक बढ़ने नही दिया जाता।

ढैंचा बीज का बॉटनिकल नाम सेसबनिया बीस्पिनोश है , छत्तीसगढ़ में इसे ढींगढीनी कहा जाता है। कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार ढैचा बीज की कीमत 60 रु प्रति किलोग्राम है , अमूमन एक एकड़ खेत के लिये 16 किलो बीज पर्याप्त होते हैं। इस खरीफ सीजन जिले में 210 क्विंटल ढैंचा बीज की मांग की गई थी , जिसमें से 67 क्विंटल का भंडारण और वितरण किया जा चुका है।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
PUBLIC WORKS DEPARTMENT, E/M CIRCLE, RAIPUR(C.G)
TENDER: NIT NO. 60/SE.E/M/2019-20 DATED 27-06-2020
MANNUAL TENDER NOTICE
(I"CAII)

Mannual tenders in form "B"Item are invited on behalf of Government of chhattisgarh from OEM.(Original Equipement) Authorised Dealer Channel partner for following work up to 07-07-2020 up to 17. 30P.M

NIT NO.	NAME OF WORK	PROBABLE amount of contract	LAST DATE OF Tender download
60/SE E/M/2019-20	Estimate for SITC of AHU type (chiller water) ward No. 14 (ICU) at DR. B.R.A.M. Hospital Raipur (C.G.) Make:/ voltas Note:- (for CoViD-19) (संभावित)	Rs. 89.98 Lakhs	07-07-2020

2-The tender document can be downloaded from the web-portal www.cgpwd.nic.inraipur. only OEM/AUTHORISED Dealers/Channel Partner.interested in building Shallpay the tender dacument cost by DEN-MAND Draf in favour E.E/M Div. PWd Raipur (C.G)

विकास का वादा- मजबूत इरादा
आपकी थी चाह, हमने बनाई राह

SUPERINTENDING ENGINEER
P.W.D.E/M CIRCLE, RAIPUR(C.G

G/ 81952/2

संपादकीय

सदाबहार दोस्त

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रूस की यात्रा ऐसे वक्त में की है जब भारत और चीन लद्दाख सीमा पर उपजे तनाव से जूझ रहे हैं। कोरोना संकट के बाद किसी वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री की यह पहली विदेश यात्रा कई मायनों में महत्वपूर्ण रही। कहने को तो यह यात्रा द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर रूस की जीत की हीरक जयंती समारोह के लिए थी, मगर इस यात्रा का बड़ा मकसद रूस से रक्षा और सामरिक साझेदारी को मजबूत करना था। खासकर ऐसे समय में जब क्षेत्र में चीनी आक्रामकता लगातार बढ़ रही है। निस्संदेह रूस भारत का सदाबहार दोस्त रहा है और उसने संकट की हर घड़ी में साथ दिया है। मगर विभाजन के बाद रूस के कमजोर होने और नई दिल्ली के अमेरिका के तरफ बढ़े रुझान ने रिश्तों की ऊष्मा को कम किया है। बहरहाल, अब अमेरिका का अप्रत्याशित व्यवहार तथा वहां राजनीतिक रुझानों में आ रहे बदलाव के साथ चीनी आक्रामकता दोनों देशों को फिर से करीब ला रही है। भारत दशकों से अपनी रक्षा जरूरतों के लिए रूस पर निर्भर रहा है। अतीत में दोनों देशों के घनिष्ठ संबंध रहे हैं। भारत में आम धारणा है कि रूस पहले जैसा ताकतवर है और चीन के मुकाबले भारत के पक्ष में खड़ा होगा। हकीकत में पिछले कुछ दशकों में जहां रूस कमजोर हुआ है, वहीं चीन ने दुनिया में नंबर दो जैसी स्थिति हासिल कर ली है। फिर भी रूस पर भरोसा तो किया ही जा सकता है। माना जा रहा है कि पर्दे के पीछे रूस भारत व चीन के बीच तनाव कम करने का प्रयास कर रहा है। दरअसल, रूस को भी इस बात का अहसास है कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है जबकि चीन में निरंकुश तानाशाही, जिसके चलते रूस का रुझान भारत की तरफ रहा है। बहरहाल, राजनाथ सिंह के दौरे के बाद उम्मीद जगी है कि भारत को रूस की दुनिया में सर्वोत्तम मिसाइल प्रतिरक्षा प्रणाली एस-400 की आपूर्ति शीघ्र हो पायेगी। हालांकि, कोविड-19 के प्रकोप से जूझ रहे रूस की तरफ से इसकी आपूर्ति में कुछ विलंब हो सकता है। अक्तूबर, 2018 में जब भारत ने इस सिस्टम को खरीदना चाहा था तो अमेरिका ने प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी। तब भारत ने दोटूक शब्दों में अमेरिकी दबाव को खारिज करते हुए रूस के साथ पांच बिलियन डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किये थे। भारत ने साफ किया था कि हम राष्ट्रीय हितों से कोई समझौता नहीं करेंगे। हालांकि, चीन भी रूस से यह प्रतिरक्षा प्रणाली खरीद चुका है लेकिन भारत को दी जानी वाली तकनीक उन्नत किस्म की होगी।

राजनीतिक पार्टियां- लोकतंत्र और देश को मजबूत करें

हमारे देश के लोकतंत्र की परिभाषा जनता का जनता पर जनता द्वारा शासन-आज ना जाने कहां खो गया है।आज राजनीतिक पार्टियों का देश पर शासन होता है- हमारे देश में क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टियां और राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों का अंबार लगा हुआ है।सभी में देश सेवा करने का भरपूर जज्बा है। हमारे देश की जनता जिसको अवसर प्रदान करती है, वही हमारे देश का शासक होता है, और यह कहा भी जाता है कि यह फलानी पार्टी की सरकार है। जबकि लोकतंत्र में और संविधान में ऐसा कहीं भी लेख नहीं है, संविधान की परिभाषा यही कहती है कि जनता का जनता पर जनता द्वारा शासन - हमारे देश में अभी कुछ वर्षों से विपक्ष मजबूत हुआ है। नहीं तो पहले विपक्ष नाम मात्र को था और हमारे देश में एक ही पार्टी का लगातार कई वर्षों तक शासन रहा है। लोकतंत्र के माध्यम से जो भी पार्टी शासन में आती है, वह पूरी कोशिश करती है, की हम अपनी समर्थित पार्टियों के साथ मिलकर सरकार बनाएं। और बाकी पार्टियां जो विपक्ष में रहती हैं, विरोध करना शुरू कर देते हैं। और उनका विरोध इतना गिरा हुआ होता है कि उनको ना तो हमारे देश की जनता का ख्याल रहता है, और ना ही देश का ख्याल रहता है, देश भक्ति का भी लोप हो गया है, हर राजनीतिक पार्टी यह चाहती है कि वह देश के शासन में हमारी ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो या हमारा खुद का शासन हो। इसके लिए वह कुछ भी करने को तैयार रहती है। यह सब देश के वार्षिक बजट का खेल है, राजनीति करना आजकल देश सेवा नहीं रह गया है, अगर सत्ताधारी पार्टी कोई योजना बनाती है, और वह वास्तव में जनता के हित में है, तो भी विपक्ष उसका विरोध करता है। मुझे याद आता है सास बहू का झगड़ा वैसे ही आज की राजनीति है- एक भिखारी एक घर में जाता है तो घर की बहू बाहर निकलती है, और भिखारी से कहती है, क्षमा करना और कोई घर देखो। कहने का तात्पर्य वह उस भिखारी को कुछ नहीं देती। इतने में उसकी सास कहीं से आ जाती है, और वह उस भिखारी को वापस बुलाती है और अपनी बहू से झगड़ा करती है कि तू कौन होती है इसको भगाने वाली यह मेरा घर है। यहां मेरा आदेश चलेगा, और फिर उसकी सास उस भिखारी से कहती है जाओ दूसरा घर देखो, भिखारी की सारी आस टूट जाती है,और वह अचंम्भव में पड़ जाता है, इसी प्रकार राजनीतिक पार्टियां आपस में लड़ते झगड़ते रहती हैं और उसका परिणाम शून्य निकलता है। अगर उनको देश सेवा करना है, तो हमारे देश में बहुत सारी समस्याएं हैं, गरीबी है अशिक्षा है चिकित्सा है बेरोजगारी है, भुखमरी है, भीख मांगने वाले लोग हैं। इन सब का भला करो लेकिन नहीं केवल और केवल सत्ताधारी पार्टी को कोसने में विपक्ष अपने पूरे 5 साल निकाल देता है। और फिर यही कोशिश करता है, कि हमारा शासन हो और जब उसका शासन आता है तो दूसरी पार्टियां भी यही करती हैं, इनको बस इंतजार रहता है आपने शासन का, या शासन में

बाकी पार्टियां जो विपक्ष में रहती हैं, विरोध करना शुरू कर देते हैं। और उनका विरोध इतना गिरा हुआ होता है कि उनको ना तो हमारे देश की जनता का ख्याल रहता है, और ना ही देश का ख्याल रहता है, देश भक्ति का भी लोप हो गया है, हर राजनीतिक पार्टी यह चाहती है कि वह देश के शासन में हमारी ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो या हमारा खुद का शासन हो। इसके लिए वह कुछ भी करने को तैयार रहती है। यह सब देश के वार्षिक बजट का खेल है, राजनीति करना आजकल देश सेवा नहीं रह गया है, अगर सत्ताधारी पार्टी कोई योजना बनाती है, और वह वास्तव में जनता के हित में है, तो भी विपक्ष उसका विरोध करता है। मुझे याद आता है सास बहू का झगड़ा वैसे ही आज की राजनीति है- एक भिखारी एक घर में जाता है तो घर की बहू बाहर निकलती है, और भिखारी से कहती है, क्षमा करना और कोई घर देखो। कहने का तात्पर्य वह उस भिखारी को कुछ नहीं देती। इतने में उसकी सास कहीं से आ जाती है, और वह उस भिखारी को वापस बुलाती है और अपनी बहू से झगड़ा करती है कि तू कौन होती है इसको भगाने वाली यह मेरा घर है। यहां मेरा आदेश चलेगा, और फिर उसकी सास उस भिखारी से कहती है जाओ दूसरा घर देखो, भिखारी की सारी आस टूट जाती है,और वह अचंम्भव में पड़ जाता है, इसी प्रकार राजनीतिक पार्टियां आपस में लड़ते झगड़ते रहती हैं और उसका परिणाम शून्य निकलता है।

अपनी भागीदारी का। जिसमें सांम दंड भेद सब कुछ चलता है। यह कैसा लोकतंत्र हो गया है, हमारा देश कैसे लोकतंत्र के चक्कर में पड़ गया है, जबकि हमारे देश की सभी राजनीतिक पार्टियों का यह नैतिक दायित्व है, कि वह हमारे देश की मजबूती के लिए कार्य करें, लेकिन सर्वोपरि है। इसे सबसे ऊपर रखें,और इस देश की आम जनता एक नागरिक है। और कुछ भी नहीं उसे नागरिक होने के नाते उसके दुख-सुख और दुख तकलीफों में काम आए, और सारे भेदभाव को मिटाने की कोशिश करें, यही सच्ची राजनैतिक देश सेवा है।

राजनीतिक पार्टियां अपनी मजबूती के लिए कार्य करती हैं। लोकतंत्र के माध्यम से जो भी सरकार चुनी गई है, उसका इमानदारी पूर्वक साथ दें, तभी हमारे देश में एक स्वस्थ लोकतंत्र कायम हो पाएगा। सही बातों का और तथ्यात्मक बातों का ही विरोध किया जाना उचित होगा। अनावश्यक केवल विपक्ष होने के नाते विरोध करना कतई सही नहीं है। यह हमारे देश के हित में नहीं है। यदि हम विपक्ष में हैं तो हमारी सत्ता पक्ष से ज्यादा जवाबदारी बनती है, कि हम देश के हित में सोचें और देश हित के लिए कार्य करें, देश सर्वोपरि है, देश के साथ छल, कपट और धोखा अपने आप को और अपने देश को बर्बाद करना जैसा है, राजनीतिक पार्टियों को चाहिए कि वे देश के लोगों को बांट कर नहीं देश के लोगों को संग्रहित कर आपसी भेदभाव को मिटाकर देशहित में कार्य करते हुए अपने देश को मजबूती प्रदान करें। कृष्णा जातिवाद संप्रदायवाद और पंथवाद फैलाकर अपना वोट बैंक ना बनाएं लोगों के मन में एक दूसरे के प्रति जहर ना भरें भारत देश के सभी जन भारत के नागरिक हैं और सबको समान अधिकार है जातिवाद का जहर बोकर अपना उल्लू सीधा ना करें, देश हित

चीन से मुकाबले को बने दूरगामी रणनीति

लद्दाख की गलवान नदी घाटी में चीनी सैनिकों से मुठभेड़ में बटालियन कमांडर समेत 20 भारतीय सैनिकों के शहीद होने की खबर आने के बाद भारत में भावावेश उफान पर है। इस इलाके में चीनी अपनी मौजूदगी मजबूत करते चले आ रहे हैं। चीन ने साथ लगते पैंग-गोंग त्सो झील क्षेत्र पर भी अपना दावा जताया है। इतना ही नहीं, साथ लगती 'फिंगर' नामक 8 पहाड़ियों में 4 पर अपना दावा ठोका है।

विगत में इस इलाके पर अधिकार को लेकर न केवल भारत-चीन के बीच हिंसक झड़प होती आई है बल्कि स्थानीय बौद्ध लोग, जो गलवान घाटी में चीनियों की मौजूदगी को लेकर खासे आक्रोशित रहे हैं, उनके और चीनियों के बीच सशस्त्र संघर्ष होता रहता था। गलवान घाटी में भारत की सैन्य उपस्थिति वर्ष 1962 में भी थी, हालांकि 19-20 अक्तूबर, 1962 को हुए भारत-चीन युद्ध में यह इलाका चीन ने कब्जा लिया था। तथापि गलवान और पैंगगोंग झील क्षेत्र पर चीन के दावे का तो कोई कानूनी और न ही ऐतिहासिक आधार है, जबकि यह इलाका लंबे समय तक भारत का हिस्सा रहा है। लेकिन पिछले साल संसद में गृहमंत्री अमित शाह के इस वक्तव्य के बाद कि अक्साई चिन, जो तिब्बत और चीन के शिनजियांग प्रांत को आपस में जोड़ता है,

वह लद्दाख का हिस्सा है, इससे चीन की भृकुटि तन गई थी।

इतिहास में गलवान घाटी का इलाका संघर्षों का गवाह रहा है लेकिन 1947 में भारत के विभाजन के बाद जब जम्मू-कश्मीर भी बंटा तो इससे एकदम नई स्थिति पैदा हो गई थी, जब सूबे का उत्तर-पश्चिमी हिस्सा पाकिस्तान के नियंत्रण में चला गया था। आगे चलकर वर्ष 1963 में पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर की शक्सगाम घाटी गैर-कानूनी ढंग से चीन को सौंप दी थी, जिसके चलते अक्साई चिन और शक्सगाम घाटी से होकर चीन की पहुंच मुस्लिम बहुल शिनजियांग प्रांत तक बन गई थी। हालांकि, दौलत बेग ओल्डी क्षेत्र में भारत की मौजूदगी को लेकर चीन चिंता जताता आया है, क्योंकि यह भू-भाग अक्साई चिन को जोड़ने वाली सामरिक महत्व की सड़क से सटा है, जिसके माध्यम से चीन की पहुंच अस्थिर शिनजियांग सूबे तक बनती है, जहां 10 लाख से ज्यादा मुस्लिमों को चीन ने बंदीगृहों में रखा हुआ है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि चीन भारत द्वारा बनाई जाने वाली सड़क को लेकर गंभीर चिंतातुर है, यह मार्ग गलवान घाटी और पैंगगोंग त्सो के सर्पीले दर्रों से होकर दौलत बाग ओल्डी तक पहुंचता है, जहां भारत ने हवाई अड्डा बनाया हुआ है। दोनों सेनाओं के स्थानीय कमांडरों के बीच 5 जून को हुई भेंट में यह तय किया गया था कि तनाव घटाने के लिए दोनों ओर के सैनिक पीछे हटेंगे। बैठक में यह सहमति भी बनी थी कि चीन गलवान घाटी के कुछ इलाके से हट जाएगा। इसलिए 16 जून को तनाव घटाने की प्रक्रिया का अनुपालन करवाने के सिलसिले में मौका-मुआयना करने गए भारतीय फौज के बटालियन कमांडर पर हुआ निर्मम हमला और उनका वीरगति को प्राप्त करना किसी भी तरह विश्वासघात से कम नहीं है। इसके बाद हालात तेजी से रणभूमि सरीखे बन गए और नतीजे में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए, तो अनुमान के मुताबिक 30-40 चीनी फौजी भी ढेर हुए हैं। चीन पर यह खुमारी चढ़ गयी है कि अब वह वैश्विक महाशक्ति अमेरिका की जगह लेने ही वाला है। चीन के साथ हमारी लंबी सीमा रेखा साझी है, इसलिए सीमा विवाद पर चीन से लगातार वार्ता बनाए रखना एक आवश्यकता है। परंतु ठीक इसी वक्त अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा एवं क्षेत्रीय अखंडता की कीमत पर समझौता करने का कोई सवाल ही नहीं पैदा होता। बतौर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सदस्य और विश्व स्वास्थ्य संगठन सदन अध्यक्ष, भारत के पास अब दीगर समस्याओं के हल ढूंढ़ने में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका निभाने और अपना नजरिया रखने का मौका है। सामरिक रूप से भारत की उच्चतम तरजीह हालांकि यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी सूरत में चीन अवरुद्ध न करने पाए।

सत्ता के खुमारी में कांग्रेसी कर रहे जनता के जीवन से खिलवाड़

कोरोना महामारी के चलते आज पूरा देश सयंमित हो अपना दिन चर्या काट रही है। आज भी जिले में कोरोना महामारी से बचाव के उपाय का प्रचार प्रसार शासन प्रशासन के माध्यम से गांव और शहरों में जोर शोर से किया जा रहा है बावजूद इसके सत्ता के नशे में चूर कांग्रेसी नेता सरकार के नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं उक्त बातें भजपा जिला अध्यक्ष चैतराम अट्ठामी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कही है। कांग्रेस पार्टी के नेता एक ओर पब्लिक को शोसल डिस्टेंस, मास्क, 144 धारा और शाम 5 बजे दुकाने बंद करने का ढोंग रच रहे हैं, और दूसरी ओर इन्हीं नियमो का खुद ही मजाक बनाकर जनता के जीवन से खेल रहे हैं। पेट्रोल डीजल के वृद्धि के विरोध में कांग्रेसियों ने जिस प्रकार से हुजूम मचाकर बीच शहर में ढोंग रचा उससे उनकी ओछी मानसिकता प्रदर्शित होती है। दुर्भाग्य की बात है कि जिला प्रशासन व पुलिस विभाग के सामने कांग्रेसी नेता नियमों का उलंघन करते रहे और प्रशासन मूखदर्शक बन देख रहा था। यहां तक की कलेक्टर कार्यालय के भीतर तक भी अपनी धौंस दिखाने नियमों को ताक में रख ज्ञापन सौपा गया। इनके पार्टी के डोंगरगांव विधायक ने अपनी ऐसी ही गलतियों के वजह से पूरा विधान सभा को खतरे में डाल दिया था। आज दंतेवाड़ा के कांग्रेसी वैसा ही हाल जिले में निर्मित करने आतुर हो रहे हैं। आज डीज़ल-पेट्रोल की कीमतों को लेकर स्यापा मचा रहे कांग्रेस के नेता लोगों को गुमराह करने के लिए अपने झूठ का रायता चाहे जितना फैलाने की कोशिश कर लें, लोग अब कांग्रेस के झाँसों में कृतई नहीं आने वाले। भाजपा जिला अध्यक्ष चैतराम अट्ठामी ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में जनवरी 2013 में पेट्रोल 83 रु. प्रति लीटर तक बिक रहा था, उसे भूल गई शायद। इसी प्रकार रसोई गैस की कीमतों को लेकर कांग्रेस को याद रखना चाहिए कि संप्रग शासनकाल (जनवरी 2014) में रसोई गैस की कीमत 1241 रुपए तक जा पहुँची थी जो आज की तारीख में लगभग 660-676 रुपए है। भाजपा जिलाध्यक्ष अट्ठामी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 50 रुपए की शराब 170 रुपए में बिकवाने वाली सरकार की चाटुकारिता में जुटे कांग्रेस नेता डीज़ल-पेट्रोल की कीमतों को लेकर प्रदेश सरकार पर इस बात के लिए दबाव क्यों नहीं बनाते कि वह राज्य में डीज़ल-पेट्रोल पर वैट कम करे ताकि लोगों को सुलभ दर पर डीज़ल-पेट्रोल मिले। पूर्ववर्ती भाजपा शासनकाल में वैट कम कर दी गयी थी लेकिन सत्ता में आते ही कांग्रेस ने भाजपा सरकार के निर्णय को रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में शराब का करोड़ों रुपए का अवैध व्यापार चल रहा है और यह सभी सरकार के संरक्षण में हो रहा है। श्री अट्ठामी ने सीएम हाउस के सामने युवक के आत्मदाह घटना पर सवेदना व्यक्त कर जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा है कि जब सत्ताधारी कांग्रेस अपने अध्यक्ष के कार्यकाल का एक वर्ष पूरे होने का जश्न मना रही थी, उसी समय सीएम हाउस के बाहर ही ऐसी दुखद घटना का होना कांग्रेस सरकार की पोल खोलता है। उन्होंने कहा कि दस लाख युवाओं को नौकरी और बेरोज़गार युवाओं को बेरोज़गारी भत्ता देने का प्रपंच रच कर सत्ता में आयी सरकार ने किस तरह युवाओं को ठगा है, उनकी भावनाओं से खिलवाड़ किया है, यह दुखद घटना उसी का प्रकटीकरण है। बेरोज़गारी से त्रस्त युवक अब आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं। श्री अट्ठामी ने कहा कि बेरोज़गार युवकों के साथ छलावा और उन्हें आत्मघात के लिए मजबूर करके भी प्रदेश सरकार को शर्म तक महसूस नहीं हो रही है और गुर्गे सड़क पर भीड़ जमाकर ठेले में मोटर सायकल में बैठ कर नौटंकियाँ करने से बाज़ नहीं आ रहे हैं।

नई मंजिलों की ओर छत्तीसगढ़ के नये कदम

लोकतंत्र में लोक -कल्याण किसी भी लोकतांत्रिक सरकार की पहली प्राथमिकता होती है। छत्तीसगढ़ विधान सभा के आम चुनाव में प्रचंड बहुमत से बनी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार ने सिर्फ डेढ़ साल के अपने अब तक के कार्यकाल में लोक कल्याण के अनेक ऐसे निर्णय लिए हैं ,जिनसे स्पष्ट नीतियों के साथ सरकार की सामाजिक वचनबद्धता का भी परिचय मिलता है।

अपने घोषणा पत्र के अनुसार किसानों की कर्ज माफी और 2500 रुपए प्रति क्विंटल का समर्थन मूल्य देकर सहकारी समितियों में उनका धान खरीदने की शुरुआत करके भूपेश सरकार ने जहाँ अपना वादा निभाया ,वहीं जनता को यह भी सन्देश दिया कि यह किसानों की सरकार है। गौर तलब है छत्तीसगढ़ देश का इकलौता ऐसा राज्य है जो अपने किसानों से 2500 रुपए क्विंटल की दर से धान खरीद रहा है । कोविड 19 की वैश्विक महामारी और इसके चलते इस वर्ष मार्च के आख़िरी सप्ताह से जून के पहले हफ्ते तक करीब सवा दो महीने के देश व्यापी लॉक डाऊन में भी भूपेश सरकार ने कोरोना पीड़ितों और लॉक डाऊन से प्रभावित मज़दूरों के प्रति अपनी करुणा का परिचय दिया। विपदा की इस घड़ी में मुख्यमंत्री ने स्वयं इन सभी मेहनतकश मज़दूरों के साथ खड़े होकर उनका मनोबल बढ़ाया । उन्हें राहत पहुंचाने के हर संभव बेहतर से बेहतर इंतज़ाम किए लॉक डाऊन की वजह से देश के विभिन्न राज्यों और महानगरों से छत्तीसगढ़ के लगभग डेढ़ लाख श्रमिक विशेष ट्रेनों से अपने गृह राज्य लौट आए हैं। इन्हें मिलाकर इस कोरोना काल में 5 लाख 34 हजार श्रमिक और अन्य लोग अपने छत्तीसगढ़ वापस आ गए हैं। इनमें अधिकांश मेहनतकश मजदूर हैं। क्वारन्टीन सेंटरों में रखने के बाद उन्हें उनके गाँवों के आस -पास मनरेगा के निर्माण कार्यों में रोजगार भी दिया जा रहा है।

इसी कड़ी में पिछले एक सप्ताह में भूपेश सरकार ने सार्वजनिक स्वच्छता सहित किसानों और आदिवासियों की बेहतरी की दिशा में चार बड़े महत्वपूर्ण और नये कदम उठाए हैं ,जो छत्तीसगढ़ को नई मंजिलों की ओर ले जाएंगे । राजधानी रायपुर स्मार्ट सिटी के रूप में तेजी से आकार ले रहा है ,लेकिन शहर में गलियों नालियों ,सड़कों और चौक -चौराहों को स्वच्छ बनाए रखना स्मार्ट सिटी की राह में एक बड़ी चुनौती है । राजधानी में घरों ,दुकानों होटलों आदि से निकलने वाले ठोस कचरे से खाद और बिजली बनाने की परियोजना के रूप में 500 मीट्रिक टन दैनिक क्षमता के ठोस अपशिष्ट(कचरा) प्रसंस्करण संयंत्र का निर्माण और लोकार्पण इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसका ई -लोकार्पण किया। नगर निगम का यह संयंत्र 197 करोड़ रुपए की लागत से शहर के नजदीक सकरी में बनवाया गया है । इसका लोकार्पण करते हुए मुख्यमंत्री ने स्वच्छ रायपुर सहित स्वच्छ छत्तीसगढ़ निर्माण की अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की । इस प्रोजेक्ट में नगर निगम की ओर से शहर के घरों और दुकानों में जाकर कचरा इकट्ठा किया जाएगा।परियोजना सार्वजनिक -निजी सहभागिता अर्थात पब्लिक -प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के आधार पर संचालित होगी। इसमें कचरे से छह मेगावाट बिजली बनाने का भी प्रावधान है। अब आइए ,देखते हैं भूपेश सरकार के दूसरे बड़े कदम के रूप में एक महत्वपूर्ण फैसले को ,जिससे पूरे देश में हलचल मच गयी है। यह है गोधन न्याय योजना शुरू करने का फ़ैसला । यह देश में अपने किस्म की पहली योजना होगी । भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा होने जा रहा है जब कोई राज्य सरकार पशुपालकों से उनके पशुधन का गोबर खरीदने जा रही है। छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है।यहाँ की ग्रामीण अर्थ -व्यवस्था में खेती -किसानी के साथ पशु पालन का भी बहुत बड़ा योगदान रहता है । इसे देखते हुए गोधन न्याय योजना पशु धन के संरक्षण और संवर्धन की दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण है । मुख्यमंत्री ने इस योजना के तहत पशु पालकों से पशुओं का गोबर खरीदने का ऐलान किया है और कहा है कि सावन अमावस्या पर मनाए जाने वाले छत्तीसगढ़ के किसानों के प्रमुख पर्व हरेली के दिन इसकी शुरुआत होगी। गोबर की कीमत तय करने के लिए मंत्रिपरिषद की उप समिति का गठन कर दिया गया है। समिति आम जनता से भी सुझाव लेगी। गौ पालन के व्यवसाय को लाभदायक बनाना और गोवंश का संरक्षण गोबर का बेहतर प्रबंधन तथा उससे जैविक खाद उत्पादन इस योजना का मुख्य उद्देश्य है। एकत्रित गोबर से वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाकर उचित मूल्य पर किसानों को दिया जाएगा । आम तौर पर आजकल देखा जाता है कि कई पशु पालक अपने कुछ पशुओं को अनुपयोगी समझकर सड़कों पर खुला छोड़ देते हैं। इससे सड़क हादसों की भी आशंका बनी रहती है और कई बार हादसे हो भी जाते हैं। शहरों और राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे के गांवों में यह एक बड़ी समस्या है। मानसून के आगमन के साथ ही छत्तीसगढ़ में खेती -किसानी का मौसम भी शुरू हो गया है। बोनी अभी प्रारंभिक दौर में है। ऐसे समय में खेतों में अंकुरित पौधों को खुले में घूमते मवेशियों से बचाना भी जरूरी हो जाता है ।

लावारिस भटकते इन पशुओं के गोबर से सड़कों पर गंदगी भी फैलती है ,क्योंकि उसे उठाने वाला कोई नहीं होता ऐसे में गोबर खरीदने की सरकारी योजना शुरू होने पर पशुपालकों को जहाँ गोबर का उचित मूल्य मिलेगा ,वहीं उन्हें अपने पशुधन की बेहतर ढंग से देखभाल करने की भी प्रेरणा मिलेगी । पशुओं के खुले में घूमने पर भी अंकुश लगेगा और खेतों में फसल सुरक्षित रहेगी।नाम के अनुरूप गोधन न्याय योजना से प्रदेश के गोवंश को भी न्याय मिलेगा ।यानी उसे लावारिस छोड़ देने की मानवीय प्रवृत्ति खत्म होगी । मुख्यमंत्री का कहना है कि इस योजना से गाँवों और शहरों की वर्तमान स्थिति आगे चलकर पूरी तरह बदल जाएगी । वैसे भी भूपेश सरकार ने अपनी इस नयी योजना से पहले सुराजी गाँव योजना के तहत प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों के लिए चरणबद्ध ढंग से गौठान निर्माण की भी शुरुआत कर दी है। पहले गौठान हमारी ग्रामीण संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा हुआ करते थे। हर गांव का अपना गौठान होता था । धीरे -धीरे सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण जैसे कई कारणों से गौठान विलुप्त होने लगे ,लेकिन भूपेश सरकार ने राज्य की बागडोर संभालते ही नरवा ,गरुवा ,घुरूवा ,बाड़ी -ये ला बचाना हे संगवारी का नारा देकर बरसाती नालों सहित गोधन के संरक्षण तथा घूरे से जैविक खाद उत्पादन और बाड़ी के रूप में उद्यानिकी फसलों की खेती को बढ़ावा देने का काम शुरू कर दिया । गौठान निर्माण भी इसी नरवा,गरुवा ,घुरूवा ,बाड़ी योजना का एक हिस्सा है। राज्य में लगभग ग्यारह हजार ग्राम पंचायतें हैं ,जबकि उनके आश्रित गाँवों की संख्या 20 हजार के आस -पास है। अब तक बाइस सौ गौठान बन चुके हैं ,जहाँ गाँवों के बेसहारा पशुओं को आश्रय मिला है।प्रदेश की शत -प्रतिशत ग्राम पंचायतों को इस योजना में कव्हर किया जाएगा। इस साल के आख़िर तक पांच हजार गौठान बनाने का लक्ष्य है। जिन गांवों में गौठान बन गए हैं ,उनके आस -पास की सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा भी लगभग नहीं के बराबर रह गया है। कारण यह है कि इन मवेशियों को गौठानों में पर्याप्त चारा और पानी मिल रहा है। गौठानों के सुचारू संचालन के लिए ग्रामीणों की समितियों का भी गठन किया जा रहा है।प्रत्येक समिति को सरकार की तरफ से दस हजार रुपए की मासिक सहायता भी दी जा रही है । गौठानों में पशुओं के बेहतर रख -रखाव के लिए राज्य शासन द्वारा एक रोडमैप भी बनाया गया है। इसके तहत प्रत्येक गौठान में अधिकतम तीन लाख रुपए की लागत से शेड निर्माण के साथ इसी तरह दो लाख रुपए उपकरणों पर खर्च किए जा सकेंगे । इसके लिए राज्य सरकार उन्हें अनुदान भी दे रही है। प्रति गौठान चालीस हजार रुपए के मान से अनुदान की पहली किश्त जारी कर दी गयी है। गौठानों में एकत्रित होने वाले गोबर से बायोगैस बनाने की भी योजना है। इतना ही नहीं ,बल्कि हर गौठान के आस -पास मुर्गी पालन सहित अन्य रोजगारमूलक कार्य भी होंगे। उद्देश्य यह है कि गौठानों को ग्रामीणों के लिए आजीविका केन्द्र के रूप में विकसित किया जाए।कुछ गौठानों में महिला -स्वसहायता समूहों ने जैविक खाद (वर्मी कम्पोस्ट)बनाना भी प्रारंभ कर दिया है। लगभग साल भर पहले शुरू की गई गौठान परियोजना और बीते सप्ताह घोषित गोधन न्याय योजना से छत्तीसगढ़ जैविक खेती के मामले में भी देश की अग्रिम पंक्ति के राज्यों में शामिल हो सकता है। फिलहाल सिक्किम पभारत का पहला शत -प्रतिशत जैविक कृषि वाला राज्य है।

संक्षिप्त खबरें

12 वर्षीय बालक ने अज्ञात कारणों से किया कीटनाशक सेवन अस्पताल में उपचार जारी

लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत लिपिंगी में सुबह लगभग 10ः30 बजे अज्ञात कारणों से 12 वर्षीय बालक ने कीटनाशक का सेवन कर लिया लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार जारी। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम लिपिंगी निवासी 12 वर्षीय धर्मेंद्र अगरिया पिता संतोष अगरिया ने 30 जून को सुबह 10ः30 बजे अज्ञात कारणों से बालक ने कितनाशनक का सेवन कर लिया परिजनों को पता चलने पर उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुम्ही ले जाया गया जहां बालक की स्थिति को देखते हुए लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एंबुलेंस 108 के माध्यम से भेजा गया। जहां बालक का उपचार जारी है।

गोबर खरीदने के निर्णय से जिले के पशुपालकों में खुशी की लहर

उत्तर बस्तर कांकेर । प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के गोबर खरीदने के निर्णय से जिले के पशुपालकों में खुशी की लहर देखी जा रही है। जिले के दुर्गूकोंदल विकासखण्ड ग्राम सुखई के पशुपालक पनकूराम महावे, ग्राम हामतवाही के धनीराम कुंजाम और धनसिंह दर्रो ने मुख्यमंत्री के इस निर्णय के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इससे दोहरा लाभ होगा, लोग अपने पशुओं को अपने घर में ही रखेगें, जिससे आवारा पशुओं से निजात मिलेगी और गोबर के विक्रय से किसानों को आमदनी भी होगा। मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा 'गोधन न्याय योजना' के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोक तिहार हरेली से गोबर खरीदने की शुरूआत का जिले के पशुपालकों ने स्वागत करते हुए सरकार की निर्णय को क्रांतिकारी पहल बताया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार लगातार विभिन्न योजनाओं के द्वारा खेती किसानी से जुड़े हुए लोगों को लगातार समृद्ध एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है, किसानों का कर्जा माफ किया गया, 25 सौ प्रतिक्विंटल में धान की खरीदी की गई, राजीव गांधी किसान न्याय योजना अंतर्गत किसानों के खाते में अंतर की राशि को डाला गया, वहीं अब गोधन न्याय योजना के द्वारा पशुपालकों से गोबर खरीदने का निर्णय भी लिया गया है।

पशुपालकों ने कहा कि पिछले कुछ सालों से पशुओं के लालन-पालन में आर्थिक तंगी के चलते पशुपालक, ग्रामीण, किसान पशुधन से दूर होते जा रहे थे, लेकिन मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के इस ऐतिहासिक निर्णय गोधन न्याय योजना के शुरू होने से पशुपालन में रूचि बढ़ेगी और पशुधन के संरक्षण में बढ़ोत्तरी होगी तथा कृषि उत्पादन में जैविक खाद की मांग बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि जिले में 'रोका-छेका' अभियान के तहत् किसानों के आवारा पशुओं को गौठान में लाकर संरक्षित किया जा रहा है, जिससे फसलों के संरक्षण में सहयोग मिलेगा। जिले के अधिकांश गांव में लोग अपने मवेशियों को गौठान में लाने प्रारंभ कर दिये हैं, जिससे आवारा पशुओं द्वारा खेतों के फसलों को नुकसान होने से बचाया जा सकता है। जिले के किसानों और पशुपालकों द्वारा इस ऐतिहासिक निर्णय के प्रति मुख्यमंत्री श्री बघेल को धन्यवाद ज्ञापित किये हैं।

किसानों को दलहन, तिलहन एवं धान बीज का निःशुल्क वितरण गौठानो में हल्दी, जिमीकंद और अरहर की खेती

उत्तर बस्तर कांकेर । कलेक्टर के.एल. चौहान के निर्देशानुसार जिला पंचायत सीईओ डॉ. संजय कन्नोजे तथा उपसंचालक कृषि एन.के.नागेश के मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा जिले के सभी 197 गौठान ग्रामो में विशेष अभियान चलाकर सभी खेतो के मेड़ो पर दलहन तिलहन की फसल को लगाने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। सांसद, विधायक, जिला एवं जनपद पंचायत के जनप्रतिनिधियों के द्वारा उन्नत किस्म के अरहर, उडद, कोदो, रागी, मक्का एवं धान के उन्नत बीज का निःशुल्क वितरण किया गया तथा सभी किसानों को दलहन तिलहन की उन्नत खेती के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उप संचालक कृषि ने जानकारी दी है कि कांकेर जिले में खाद बीज की कमी नही है तथा सभी लेम्प्सो मे पर्याप्त मात्रा में खाद एवं बीज का भंडारण और वितरण किया जा रहा है। निजी खाद बीज दवा विक्रेताओं के परिसर में लगातार छापामार कार्यवाही करके आदान सामग्रियों की गुणवत्ता सुनिश्चित की गई है तथा बीज खाद एवं दवाई के सेम्पल जांच हेतु रायपुर भेजे गए हैं। गौठानो को मल्टीएक्टिविटी सेंटर के रूप में विकसित करने के लिए हल्दी, जिमीकंद और अरहर बीज लगाया जा रहा है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गंगा पटेल और रेमसी नेताम का हुआ सम्मान

कोण्डागांव। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आज आयोजित समय-सीमा बैठक में कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा द्वारा जिले में महिला बाल विकास विभाग की सर्वात्कृष्ट कार्यो के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गंगा पटेल और रेमसी नेताम को चैम्पियन ऑफ चेंज प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि नीति आयोग द्वारा देश के 115 आकांक्षी जिलो में कोण्डागांव जिले को भी शामिल किया गया है। इसके तहत मैदानी क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को समय-सीमा बैठक में चैम्पियन ऑफ चेंज प्रमाण पत्र देकर उन्हें प्रोत्साहित किया जाता है। इस क्रम में माकड़ी परियोजना के शामपुर सेक्टर में पदस्थ गंगा पटेल द्वारा अपने आंगनबाड़ी केन्द्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए 29 बच्चों को प्रतिमाह शत् प्रतिशत पूरक-पोषण आहार दिया गया साथ ही मातृत्व वंदना योजना में 30 महिलाओं, नोनी योजना के तहत 05 प्रकरण, सुकन्या योजना के तहत 18 बच्चों का खाता भी उक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा कराया गया। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि गंगा पटेल ने 8 महिलाओं को संस्थागत प्रसव, 7 दर्ज कुपोषित बच्चों में से 3 बच्चों को तीन माह के अंदर सुपोषित कर सामान्य स्थिति में भी लाया गया है। इसी प्रकार शामपुर सेक्टर के ही तहत मारागांव में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती रेमसी नेताम ने भी 55 बच्चों को शत् प्रतिशत पूरक पोषण आहार, शत् प्रतिशत गर्भवती माताओं और बच्चों का टीकाकरण, 25 गर्भवती माताओं को मातृत्व वंदना योजना का लाभ एवं 12 महिलाओं का संस्थागत प्रसव करवाया गया साथ ही 3 दर्ज कुपोषित बच्चों को सामान्य स्थिति में लाने का श्रेय की श्रीमती रेमसी नेताम को दिया गया है। इस प्रकार इनके केन्द्र में अब कोई भी बच्चा कुपोषित नहीं रहा है। इस दौरान कलेक्टर ने मैदानी कर्मचारियों का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि अपने कार्य के प्रति समर्पित इन महिला कार्यकर्ताओं की उपलब्धि अन्य कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणास्पद है।

समय-सीमा बैठक में विभिन्न लंबित मामलो की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने कहा कि जनसरोकारो से जुड़े मुद्दो का विभाग प्रमुख प्राथमिकता से निराकरण करें। बैठक में मनरेगा, तेन्दुपत्ता संग्राहको को भुगतान, वृक्षारोपण, ग्राम बांसगांव में सड़क-पुलिया निर्माण, ग्राम तोड़ेमे ट्रांसफार्मर स्थापित करने, प्रदेश के विकासखण्ड स्तरीय उच्चतर माध्यमिक शालाओं में आईटीआई के साथ समन्वय कर रोजगारोन्मुखी व्यवासायिक शिक्षा देने के संबंध में, रोका-छेका संकल्प अभियान, उचित मूल्य के दूकानो के संचालन के युक्तियुक्तकरण, समस्त राशनकार्डधारियो के आधार नंबर की जानकारी प्राप्त करने, केन्द्र प्रवर्तित योजना डेएनयूएलएम अंतर्गत स्व-रोजगार कार्यक्रम के तहत विभिन्न बैंको में लंबित ऋण प्रकरण की अद्यतन जानकारी प्रस्तुत की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत डी एन कश्यप, एसडीएम पवन कुमार प्रेमी, डिप्टी कलेक्टर धनंजय नेताम, जिला कार्यक्रम अधिकारी वरुण नागेश, सीएमएचओ डॉ0टी आर कुंवर सहित सभी विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

हेम नारायण गजबल्ला ने दिव्यांग बालक को दिलाई ट्राईसिकिल

ग्राम पंचायत कोदाभाट मे दो महीने पहले किए वादे को बखूबी निभाया

कांकेर वॉच ब्यूरो ..... कांकेर जनपद पंचायत उपाध्यक्ष , श्री हेम नारायण गजबल्ला जब से उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए हैं , अपने सारे क्षेत्र का सघन दौरा करते हुए जनता की समस्याएं सुलझाने में बराबर लगे हुए हैं । वे ज़मीन से जुड़े हुए नेता हैं और आज भी अपने को कार्यकर्ता ही मानकर चलते हैं तथा समाज सेवा उनका प्रतिदिन का कार्य है। इसी सिलसिले में जब उन्हें मालूम हुआ कि कोदाभाट ग्राम पंचायत क्षेत्र में एक दिव्यांग बालक है जो अपनी विकलांगता के कारण बड़ी कठिनाई से जीवन व्यतीत कर रहा है । यह पता लगते ही हेम नारायण जी ने राज्य शासन से उचित माध्यम द्वारा दिव्यांगों की सहायता हेतु जो ट्राईसिकिल दी जाती है , उसके लिए प्रयास किया ताकि बालक रोशन गोस्वामी आसानी से मोहल्ले में अथवा कहीं भी स्वयं ट्राई सिकिल चलाते हुए आना-जाना कर सकें । उपाध्यक्ष जी अपने प्रयासों में सफल हुए और आज उन्होंने कोदाभाट ग्राम पंचायत क्षेत्र के दौरे पर जाकर बालक रोशन गोस्वामी को ट्राई सिकिल प्रदान की , जिसे देखकर न केवल दिव्यांग बालक को बहुत खुशी हुई बल्कि सारे ग्रामवासी भी अत्यंत प्रसन्न हुए और हेम नारायण जी की प्रशंसा करने लगे । ज्ञातव्य है कि हेम नारायण जी खामोशी से समाज सेवा करना ज्यादा पसंद करते हैं और प्रचार-प्रसार पर उनका विश्वास बहुत कम है , इसीलिए भी वे अपने क्षेत्र के अलावा समस्त उत्तर बस्तर कांकेर ज़िले में भी अत्यंत लोकप्रिय हैं । इस अवसर पर चमन साहू , सरपंच ईश्वरी नेताम , उपसरपंच डाकेश्वर नाग , पंच नरेंद्र यादव , गोदावरी यादव , मुकेश्वरी नाग , लोमेंद्र यादव , मुन्ना राम कुलदीप , विष्णु नेताम आदि के अलावा ग्राम कोदाभाट के लगभग सभी ग्रामीण उपस्थित थे । कार्यक्रम के अंत में ज़िला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हेम नारायण जी ने सब के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उपसंचालक समाज कल्याण विभाग के अधिकारी सिनीवाली गोयल का हार्दिक आभार माना..।।

कलेक्टर ने प्रतिभावान छात्र ओजस को किया सम्मानित

जीवन में सफलता का मूलमंत्र टाईम मेनेजमेंट-कलेक्टर अभिजीत सिंह

नारायणपुर छत्तीसगढ़ वॉच -कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने आज यहां जिले के प्रतिभावान छात्र ओजस श्रीवास्तव को पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। ओजस ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 10वी की परीक्षा में 97.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में पहला और राज्य में 10 वां स्थान प्राप्त किया है। कलेक्टर ने स्कूल की प्राचार्य को भी पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर ओजस के माता-पिता, जिला शिक्षा अधिकारी श्री गिरधर मरकाम सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। ओजस ने अपनी सफलता के लिये अपने माता-पिता और शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा वे 11वीं कक्षा में गणित विषय लेकर इंजीनियर बनेंगे और अपने देश और राज्य के लिए कुछ करेंगे ।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि नारायणपुर जिला देश के आकांक्षी जिलों में से एक है। यहां पढ़ाई के उतने साधन नहीं जो अन्य जिलों में होते है। लेकिन ये काबिले तारीफ है कि पढ़ाई के सीमित साधनों के बीच उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता का मूलमंत्र टाईम मेनेजमेन्ट है। उन्होनें अपने छात्र जीवन की यादों को भी साझा करते हुए कहा कि वह भी पढ़ाई में तेज थे और उन्हें भी ऐसा ही सम्मान मिला था। कलेक्टर ने स्कूल की प्राचार्या और शिक्षकों को भी बधाई देते हुए कहा कि गुरू का स्थान भगवान से भी बड़ा माना गया है। उनके अच्छी शिक्षा और संस्कार से ही बच्चें अच्छे और देश के भविष्य बनते है। जिला और राज्य शासन की ओर से उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन से उन्हें आगे पढ़ाई में जो भी मदद चाहिए वह उन्हें मिलेगी। उन्होंने ओजस के माता पिता को भी धन्यवाद दिया। जिले में दसवीं की परीक्षा में कुल 1762 परीक्षार्थी थे, जिनमें से 1739 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे । इनमें से 1250 उत्तीर्ण हुए है। जिसमें 642 छात्र और 608 छात्रायें पास हुई है। परीक्षा में 571 विद्यार्थियों ने फस्ट डिवीजन से परीक्षा उत्तीर्ण की है।

कलेक्टर ने अधिकारियों की बैठक लेकर कृषि के कामकाज की समीक्षा की

ऋणी कृषकों के लिए विकल्प चयन 8 जुलाई तक, लिखित में देना होगा आवेदन

नारायणपुर छत्तीसगढ़ वॉच - नारायणपुर जिलाधीश श्री अभिजीत सिंह ने सोमवार शाम कृषि विभाग के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले में मानसूनी वर्षा शुरू हो गई है। खरीफ फसल के लिए किसानों को खेती से संबंधित उपयोगी सलाह दें, ताकि फसल का रकबा बढ़े। बैठक में उपसंचालक कृषि श्री बी.एस. नाग, सहायक संचालक श्री पी.डी. मंडावी एवं कृषि विस्तार अधिकार और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि किसानों के हितों के लिए संचालित केन्द्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं, जरूरी जानकारी एवं लाभकारी योजनाओं के बारें में भी बतायें। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें आर्थिक मजबूती प्रदान करने के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन कर रही है। आप सभी अपने क्षेत्रों में किसानों को शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दें तथा किसानों को इन योजनओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने किसानों के क्रेडिट कार्ड योजना का प्रचार-प्रसार अपने क्षेत्र मे करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की भी जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2019-20 में फसल बीमा योजना अन्तर्गत फसल का कम उत्पादन, बेमौसम बारिश के चलते जिले के तकरीबन 300 किसानों को 22 लाख रूपए का बीमा का मुआवजा दिया गया है।

कृषि अधिकारियों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना में ऋणी कृषक (भू-धारक व बटाईदार) तथा गैर ऋणी कृषक (भू-धारक व बटाईदार) दोनों शामिल हो सकते है। जो ऋणी कृषक इस योजना में शामिल होना चाहते है। उन्हें निर्धारित प्रपत्र में घोषण पत्र बीमा आवेदन की अन्तिम तिथि 8 जुलाई 2020 तक वित्तीय संस्थान में अनिर्वाय रूप से जमा करना होगा। कृषक द्वारा निर्धारित समय-सीमा में हस्ताक्षारित घोषणा पत्र जमा नहीं करने पर संबंधित बैंक द्वारा संबंधित मौसम के लिए स्वीकृत/नवीनीकृत की गई अल्पकालीन कृषि ऋण को अनिर्वाय रूप से उसका बीमा किया जायेगा। अत: ऐसे ऋणी कृषक बीमा नहीं कराना चाहते वे 8 जुलाई 2020 (अन्तिम तिथि से सात दिवस पहले) तक निर्धारित घोषण पत्र में भर कर संबंधित बैंकों में भरकर जमा करना होगा। बीमा खीरफ मौसम में आवेदन की अन्तिम तिथ 15 जुलाई 2020 है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि खरीफ फसल धान सिंचित फसल में 90 प्रतिशत व धन असिंचित मक्का,

पेट्रोल डीज़ल मूल्य वृद्धि के लिए केंद्र सरकार ज़िम्मेदार: आवेश मेमन

कांकेर वॉच ब्यूरो ..... छत्तीसगढ़ कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के महासचिव तथा कांकेर जिले के मुस्लिम समाज के नेता आवेश मेमन ने एक बयान में कहा है कि विगत एक सप्ताह में ही डीज़ल तथा पेट्रोल की क़ीमत में जो भारी उछाल आया है , उससे क्या ग़रीब , क्या अमीर , सभी परेशान हैं ।अमीरों की मोटर गाड़ियां व ट्रकों के पहिए खड़े हो गए हैं , तो उधर किसानी काम के लिए देश के अन्नदाता ग़रीब किसानों को डीज़ल ब्लैक में लेना पड़ रहा है। इस भयानक स्थिति के लिए केंद्र की भाजपा सरकार ही ज़िम्मेदार है , जोकि देश में स्थित बहुराष्ट्रीय तेल कंपनियों पर नकेल नहीं कस पा रही है और उन्हें डीज़ल, पेट्रोल के दाम बढ़ाने की मनमानी बेलगाम छूट दे रखी है। वास्तव में हमारी केंद्र सरकार बहुराष्ट्रीय कंपनियों तथा देश के बड़े-बड़े बड़े पूंजीपतियों की जी हुज़ूरी में शुरू से ही लगी हुई है और ग़रीबों तथा मध्यम वर्ग के लोगों को मात्र आश्वासन दिए जाते हैं । यदि केंद्र सरकार डीज़ल पेट्रोल के दामों में कमी लाना चाहे तो उसे कम से कम केंद्रीय करों से छूट तो दे ही देनी चाहिये। टैक्स कम होने पर रेट भी कम अपने आप हो जाएंगे । हमारे पड़ोसी देश श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान में भी टैक्स घटाकर पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्य कम करने में सफलता पाई है । यदि सरकार इतना भी नहीं कर सकती तो यह माना जाएगा कि वह डीज़ल पेट्रोल के दाम कम करने तथा जनता की मुसीबत कम करने में कोई दिलचस्पी नहीं ले रही है ।

केंद्र सरकार को यह याद रहना चाहिए कि जिस समय नरसिंह राव प्रधानमंत्री थे,तब भी खाड़ी युद्ध के कारण पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्य बढ़े थे । तब टैक्सों को माफ कर डीज़ल पेट्रोल सस्ते किए गए थे और जनता को राहत पहुंचाई गई थी । वर्तमान केंद्र सरकार (जिसे मोदी सरकार कहना ज्यादा उपयुक्त होगा) ऐसा क्यों नहीं कर सकती ? यह समझ से परे है ।

धान की कतार बोनी से कमी होगी कृषि लागत

उत्तर बस्तर कांकेर । मानसूनी वर्षा के साथ-साथ किसान धान की बोनी प्रारम्भ कर दिये हैं, जिले में धान का रकबा लगभग 1.83 लाख हेक्टेयर है जिसमें से लगभग 65 प्रतिशत क्षेत्र में कृषक छिटकवां विधि से धान की बुवाई करते हैं उसके एक माह पश्चात् बियासी करके धान की निंदाई एवं गुड़ाई करते है। यह सम्पूर्ण प्रक्रिया वर्षा पर आधारित होती है। समय पर यदि बारिश नहीं हुई तो बयासी प्रक्रिया में किसान पिछड़ जाते हैं साथ ही साथ कई कृषक घास की अधिकता के कारण आधार खाद उपयोग नहीं करते जिसकी वजह से धान की उपज में काफी कमी आती है। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र कांकेर द्वारा बीज उर्वरक बुवाई यंत्र द्वारा धान की कतार बोनी के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है एवं कतार बोनी का प्रदर्शन कर किसानों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। धान की कतार बुआई करने से प्रारंभ के वर्षा जल का सीधे लाभ मिल जाता है तथा बुवाई के तुरंत पश्चात् नींदानाशक का उपयोग कर खरपतवारों को रोक दिया जाता है। धान की कतार बोनी करने से एक ओर जहां धान

पेट्रोल-डीजल के महंगाई की मार पर कांग्रेस ने किया मोदी सरकार पर वार

प्रदर्शन के दौरान मोदी का फूंका पूतला

कोरोना काल में बड़े पैकेज में छोटे लोगों को कुछ नहीं मिला-कोसरे

कांकेर। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों में लगातार वृद्धि के चलते प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी कांकेर के द्वारा आयोजित धरना कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं ने केन्द्र के मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा । धरना को सम्बोधित करते हुए जिला संगठन प्रभारी पियुष कोसरे ने कहा कि मोदी सरकार के कूनीति के चलते आज डीजर पेट्रोल के मूल्यों में बेहाताशा वृद्धि हुई है जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत पिछले 15 वर्षों में सबसे कम है इसके बावजूद सरकार लगातार पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ाकर आम जनता को इस कोरोना काल में राहत देने की बजाय परेशान करने में लगी है मोदी जी के शासन में कोरोना काल में जनता को आर्थिक चोट पहुंचाया गया है उन्होंने कोरोना काल के 20 लाख करोड़ रूपये के राहत पैकेज को मोदी का जमुला बताते हुए कहा कि बड़े पैकेज में छोटे लोगों को कुछ भी नहीं मिला है । सभा को जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुभद्रा सलाम, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमंत ध्रुव, उपाध्यक्ष हेमनारायण गजबल्ला, के.डी. मिश्रा, नितिन पोटाई, गिरवर साहू, कमला गुप्ता, विजय ठाकुर, नीरा साहू, बिरेन्द्र सिंह ठाकुर, चमन साहू सहित अन्य नेताओं ने भी सम्बोधित करते हुए केन्द्र के मोदी सरकार के उपर जमकर बरसे तथा कहा कि डीजल पेट्रोल के दामों में जब तक कमी नहीं की जाती कांग्रेस का विरोध जारी रहेगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आज यह यह प्रदर्शन कांग्रेस के लिए नहीं बल्कि देश के सर्वोच्च सभी नागरिकों के लिए है क्योंकि डीजल पेट्रोल ऐसा घटक है जो सभी कार्यों के लिए महत्वपूर्ण उपयोगिता रहता है और उसके बढ़े मूल्ये से सभी लोग प्रभावित होते है । धरना के पश्चात जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन की ओर से पहुंचे नायब तहसीलदार नीरज कुमार को ज्ञापन तथा आम का फल भेंट किया ताकि आमजन को हो रही समस्या का केन्द्र सरकार को ध्यान आकर्षण हो सके । ज्ञापन उल्लेख किया गया है कि - लॉकडाउन के पिछले तीन माह के दौरान पेट्रोल व डीजल पर लगने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और कीमतों में बार-बार की गई अनुचित बढ़ोत्तरी ने भारत के नागरिकों को असीम पीड़ा व परेशानियां दी है। जहां एक तरफ देश स्वास्थ्य व आर्थिक महामारी से लड़ रहा है, वही दूसरी ओर मोदी सरकार पेट्रोल व डीजल की कीमतों और उस पर लगने वाले उत्पाद शुल्क को बार-बार बढ़ाकर इस मुश्किल वक्त में मुनाफाखोरी कर रही है। मोदी सरकार द्वारा भारत के नागरिकों से की जा रही जबरन वसूली एकदम स्पष्ट परिलक्षित हो रही है हम इस संबंध में आज दिनांक-29.06.2020 को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी उत्तर बस्तर कांकेर के द्वारा जिला मुख्यालय कांकेर के पुराने बस स्टैण्ड में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन कर, आपके ध्यान में निम्नलिखित अकाट्य व अखंडनीय तथ्य ला रहे है-

01- मई 2014 में (जब भारत ने सत्ता संभाली थी), पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क 9.20 रू. प्रति लीटर एवं डीजल पर 3.46 रू. प्रति लीटर था। पिछले छः सालों में केन्द्र की भाजपा सरकार ने पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क में 23.78 रू. प्रति लीटर एवं डीजल पर 28.37 रू. प्रति लीटर की अतिरिक्त बढ़ोत्तरी कर दी है। चौकाने वाली बात है कि पिछले छः सालों में भाजपा सरकार द्वारा डीजल के उत्पाद शुल्क में 820 प्रतिशत तथा पेट्रोल के उत्पाद शुल्क में 258 प्रतिशत की वृद्धि की गई ।

2- केवल पेट्रोल व डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में बार-बार वृद्धि करके मोदी सरकार ने पिछले छः वर्षों में 18,00,000 करोड़ रू. कमा लिए ।

3- तीन माह पहले लॉकडाउन लगाए जाने के बाद पेट्रोल व डीजल पर उत्पाद शुल्क को बार-बार बढ़ाकर तो मुनाफाखोरी और जबरन वसूली की सभी हदें पार कर दी गई ।

05 मार्च 2020 को पेट्रोल व डीजल के मूल्य में 3रू. प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी की गई 05 मई, 2020 को मोदी सरकार ने डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में 13रू. प्रति लीटर और पेट्रोल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में 10रू. प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी की, 07 जून, 2020 से लेकर 24 जून 2020 तक मोदी सरकार ने 18 दिनों तक पेट्रोल व डीजल के मूल्य लगातार बढ़ाए, जिससे डीजल का मूल्य 10.48रू. प्रति लीटर एवं पेट्रोल का मूल्य 8.50रू. प्रति लीटर बढ़ गया। पिछले साढ़े तीन महीनों में भाजपा सरकार ने डीजल पर मूल्य और उत्पाद शुल्क 26.48रू. प्रति लीटर व पेट्रोल पर 21.50रू. प्रति लीटर बड़ा दिया। एक सरकार द्वारा देश के नागरिकों का इससे ज्यादा शोषण और क्या हो सकता है?

संक्षिप्त खबरें

नरकेली गौठान में अफसरों के आगमन पर ही लाये जाते है मवेसी-अनुराग दुबे

बैकुंठपुर ब्यूरो-छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं में से एक नरवा गरवा घुरवा बारी के अंतर्गत निर्मित नरकेली गौठान की हालत बद से बदतर होती जा रही है। जनपद पंचायत बैकुंठपुर के ग्राम नरकेली में लगभग 50 से 60 लाख रुपए की लागत से बना आदर्श गौठान देखरेख व उचित रखरखाव के अभाव में हालात यह है कि आज गौठान के भीतर एक भी गौवंश देखने को नही मिलेंगे।

गौसेवक अनुराग दुबे ने बताया कि नरकेली के आदर्श गौठान नाममात्र के लिए है जिसे देखने से यह पता चलता है कि इस गौठान की स्थिति पहले भी बद से बदतर थी और आज भी है। उन्होंने ने बताया कि रोका छेका के तहत गौवंश को गौठान में कैसे रखरखाव करते हैं और उनकी क्या स्थिति रहती है तथा देखरेख कैसे की जा जाती है यह सब जानकारी लेने के लिए वे नरकेली गौठान में पहुंचे थे पर यहां की स्थिति देखने पर यही पता चला कि जैसे साल भर पहले थी वह स्थिति आज भी है पूरे टीन के सेड उखड़े हुए हैं जिसमे कुछ टूटे-फूटे पड़े हुए हैं साल भर में कोई सुधार देखने को नहीं मिला और तो और 6 महीने पहले जो गाय को खिलाने के लिए पैरा लाया गया था वह आज भी यहां पास पड़े-पड़े सड़ गया। सबसे बड़ी बात यह है कि इस गौठान में एक भी गौवंश यहां हमें देखने को नहीं मिले अगल-बगल गाय चराने वाले लोग से पूछा गया तो उनका कहना यही था कि जब कोई अधिकारी या कोई बड़े नेता का आगमन होता है तब गांव के ही 20 से 30 गौवंश को लाकर के यहां एक-दो दिन के लिए रख दिया जाता है उसके बाद फिर उन्हें वापस करवा दिया जाता है।

राहुल गांधी विचार मंच के युवा ब्लॉक अध्यक्ष बनाए गए तुलसी मनहरे

मुंडा == ग्राम धनगांव निवासी युवा सरपंच तुलसी मनहरे को राहुल गांधी विचार मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केके वर्मा के अनुशंसा पर युवा जिला अध्यक्ष मनोज बंजारे के द्वारा राहुल गांधी विचार मंच के युवा ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। तुलसी मनहरे को युवा ब्लॉक अध्यक्ष बनाए जाने पर उनके समर्थकों मे खुशी की लहर दौड़ गई व उनको बधाई देने लगे। नवनियुक्त युवा ब्लॉक अध्यक्ष तुलसी मनहरे ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने काम करूंगा जिस विश्वास के साथ मुझे यह दायित्व सौंपा गया है उस पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करूंगा।

मरार पटेल समाज द्वारा समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को किया जाएगा सम्मानित

मैनपुर - छत्तीसगढ़ (कोसरिया) मरार पटेल समाज के प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र नायक पटेल के पहल पर 75त्न से ऊपर प्राप्तांक

समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को कर्मचारी प्रकोष्ठ की ओर से प्रदेश तथा जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। उपरोक्त जानकारी चित्रसेन पटेल प्रदेश सदस्य कर्मचारी प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ ने दी है। श्री पटेल ने सभी प्रतिभावान बच्चों के पालकों से अंकसूची की प्रतिलिपि और मोबाईल नंबर कर्मचारी प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों के पास प्रेषित करने की अपील करते हुवे कहा की कोई भी परीक्षा परिणाम अंतिम नहीं होता , कम नंबर पाने वाले और असफल विद्यार्थियों को निराश होने की आवश्यकता नही है । पुन: नए सिरे से तैयारी करने की जरूरत है । प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र नायक पटेल , कार्यकारी अध्यक्ष सुनील पटेल , कर्मचारी प्रकोष्ठ के जिला गरियाबंद अध्यक्ष वेद राम पटेल और कर्मचारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष लिलार सिंह पटेल ने समाज के सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी है और उज्वल भविष्य की कामना किए हैं।

जामुल के विकास के लिए की जायेगी हर सम्भव मदद-श्री गुरु रूद्र कुमार

दुर्ग । जिले के अहिवारा विकासखण्ड के अंतर्गत जामुल क्षेत्र में लोक स्वास्थ्य विभाग के मंत्री श्री गुरू रूद्र कुमार ने 1 करोड 32 लाख रूपये की लागत के विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन किया। राज्य प्रवर्तित योजना के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 9 में रावण भाटा मे 25.03 लाख रूपये की लागत से पौनी पसारी का निर्माण कार्य किया जायेगा। इसके साथ ही स्टेडियम में 25.03 लाख रूपये की लागत से बाउण्ड्री वाल का निर्माण तथा 21.23 लाख रूपये की लागत से उद्यान मे बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य किया जायेगा। इसके अलावा पुरैना तालाब मे 14 लाख रूपये की लागत से पेवर ब्लॉक का निर्माण कराया जायेगा। जिला खनिज न्यास मद से वार्ड क्रमांक 2,4,14,16 व 18 में 47.30 लाख रूपये की लागत से पाईप लाईन विस्तार का कार्य किया जायेगा। नगर पालिका परिषद जामुल के क्षेत्र में लोक स्वास्थ्य एवं ग्रामोद्योग विभाग के माननीय मंत्री श्री गुरू रूद्र कुमार ने आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन की राजीव गांधी आश्रय योजना के अंतर्गत गरीबी रेखा से नीचे के हितग्राहियों को पट्टा वितरित किया। कुल 262 हितग्राहियों को पट्टा वितरण किया गया। स्वच्छ भारत योजना के अंतर्गत नगर निगम के 54 सफाई कर्मियों को जूता व रेनकोट वितरित किया। कार्यक्रम में मंत्री ने जामुल क्षेत्र के दिव्यांग दिव्या टंडन व मना राम यादव को ट्रायसायकिल प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरोजनी चन्द्राकर के साथ अन्य गणमान्य जन मौजूद थे।

अवैध प्लाटिंग पर चला निगम का बुलडोजर, कुरूद क्षेत्र में हुई कार्यवाही, कुरूद के दो स्थानों पर हुई कार्यवाही

भिलाईनगर/ नगर पालिक निगम भिलाई के वार्ड 16 कुरूद क्षेत्र में बड़े पैमाने पर किए जा रहे अवैध प्लाटिंग एवं रास्ता निर्माण के विरूद्ध आज कार्यवाही की गई। जोन क्रमांक 02 क्षेत्र अंतर्गत अवैध प्लाटिंग व अनाधिकृत रूप से रास्ता निर्माण, प्लाटिंग के लिए लगाए गए खुटे व मुरूम से बनाए गए मार्ग संरचना को जेसीबी से हटाया गया। मौके से 01 ट्रिप मुरम जप्त किया गया। निगम भिलाई द्वारा अवैध रूप से प्लाटिंग पर लगाम कसने हेतु लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसके पूर्व भी कुरूद क्षेत्र में इसी प्रकार की अवैध प्लाटिंग करने वालों पर कार्यवाही की गई थी। निगम भिलाई द्वारा वार्ड 16 कुरूद क्षेत्र में वृहद स्तर पर अवैध रूप से प्लाटिंग व रास्ता निर्माण करने वालों पर सख्त कार्यवाही करने 1 जेसीबी, 1 हाइवा के साथ निगम के राजस्व विभाग की टीम स्थल पर पहुंची, टीम ने बिजली ऑफिस के समीप लोहिया रोड के पास के क्षेत्र में मुरूम से बनाए जा रहे मार्ग संरचना को जगह जगह से हटाने की कार्यवाही की तथा एक डंपर मुरूम जप्त किया गया! निगमायुक्त श्री ऋतुराज रघुवंशी ने अवैध प्लाटिंग, अवैध कब्जा एवं अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश समस्त जोन आयुक्तों को दिए हैं, आयुक्त के निर्देश के पालन में जोन आयुक्त जोन क्रमांक दो पूजा पिल्ले द्वारा आज लोहिया रोड कुरूद क्षेत्र में अवैध रूप से किए गए मार्ग संरचना तथा बगैर परमिशन बनाए जा रहे अवैध प्लाटिंग को हटाने की कार्यवाही की गई है। निगम के अधिकारी/कर्मचारी के साथ मौके पर पहुंची टीम ने मुरूम से बनाए गए मार्ग संरचना को तीन स्थानों पर जेसीबी के माध्यम से हटाया ताकि आवागमन न हो सके।

सीएम कॉलेज रोड में भी हुई कार्यवाही कुरूद क्षेत्र के ही सीएम कॉलेज रोड में 15 स्थानों पर अवैध प्लाटिंग किया जा रहा था, जिनमें 90 खुटे लगे हुए थे, इन सभी को निगम की जेसीबी ने तोड़ने की कार्यवाही की और मार्ग संरचना को जगह-जगह से हटाया ताकि आवागमन न हो सके!

नामांतरण, बंटवारा के लंबित प्रकरणों का निबटारा तीन माह के भीतर पूर्ण करें

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर पटवारियों की कार्यशैली के आधार पर गुणवत्ता निर्धारण करने के दिए निर्देश

धमतरी । कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य ने आज राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए नए सिरे से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने नामांतरण, बंटवारा तथा पटवारी प्रतिवेदन के लंबित मामलों का निबटारा तीन माह के भीतर करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही पटवारियों की कार्यशैली एवं गुणवत्ता का आंकलन करने के लिए रेड, यलो व ग्रीन कैटेगरी में दर्ज करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न राजस्व प्रकरणों पर सिलसिलेवार समीक्षा की।

गंगरेल जलाशय के विश्राम गृह में आज आयोजित राजस्व अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने कहा कि आम जनता का राजस्व अधिकारियों से प्रत्यक्ष जुड़ाव होता है, इसलिए लोगों की समस्याओं के निराकरण में अनावश्यक विलम्ब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार व नायब तहसीलदार अपने प्रकरणों और उन्हें बेहतर ढंग से निष्पादित करने के लिए तत्पर रहें। जिस कार्य के लिए शासन ने उन्हें नियुक्त किया है, उसके प्रति सकारात्मक व पूर्ण जवाबदेही के साथ जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने फर्द बंटवारे के लंबित मामले में कहा कि पटवारी अपने हल्के के ग्राम पटेल, प्रमुख एवं दोनों पक्षों के तर्क व तथ्य सुनते हुए यथासंभव आपसी सहमति पर फोकस करें व निराकृत करें। कलेक्टर ने कहा कि नामांतरण प्रकरणों में किसी भी स्थिति में इश्तहार प्रकाशन के 14 दिनों के भीतर पटवारी प्रतिवेदन अनिवार्य रूप से प्राप्त कर लिया जाना चाहिए। यदि इस अवधि में भी प्रतिवेदन लंबित पाया जाता है, तो एक सप्ताह के भीतर स्मरण पत्र देकर जवाब मांगें। इसके बाद भी पटवारी द्वारा कोताही बरती जाती है, तो उसका वेतन रोकें अथवा उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करें। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि नामांतरण के पुराने प्रकरण आगामी तीन माह के भीतर तथा बंटवारे के प्रकरण छह माह तक हर हाल में निराकृत करें।

इसी तरह भुइयां प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि नामांतरण, बंटवारा के आदेश पारित होने के एक माह के अंदर ऑनलाइन रिकॉर्ड अनिवार्य रूप से एंट्री अथवा अद्यतन किया जाए। उक्त समय अवधि में रिकॉर्ड दुरूस्तीकरण की जिम्मेदारी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार की होगी। कलेक्टर ने बैठक में पटवारियों के द्वारा प्रकरणों के संबंध में कार्य गुणवत्ता का आंकलन करने पर जोर देते हुए कहा कि पटवारियों की गुणवत्ता का आंकलन तीन स्तर पर किया जाएगा, जो कि विभिन्न बिन्दुओं पर आधारित होगा। कार्य निष्पादन क्षमता एवं समय-सीमा में निष्पादित करने को लेकर रेड, यलो तथा ग्रीन स्तर के आधार पर इंडिकेटर तैयार किया जाएगा। साथ ही हल्का दिवस में पटवारी को अनिवार्य रूप से अपने हल्के में रहकर राजस्व के प्रकरणों का स्थानीय स्तर पर निराकरण किया जाए।

जिले में कोरोना पॉजिटिव केस पाये जाने पर कन्टेन्मेंट जोन घोषित

दुर्ग। /जिले के अन्तर्गत ग्राम चिखला, प.ह.नं. 57, रा. नि.म. बोरी ग्राम जंजगीरी, प.ह.न. 49, रा.नि.म. कुम्हारी, तहसील धमधा, जिला दुर्ग एवं ग्राम पतोरा, प.ह.न. 26, रा.नि.म. सेलूद, तहसील पाटन, जिला दुर्ग में एक नया कोरोना पॉजिटिव केस पाये जाने के परिप्रेक्ष्य में परिशिष्ट-1 में दर्शाये अनुसार क्षेत्रों को कन्टेनमेंट जोन घोषित किया गया है। उक्त चिन्हांकित क्षेत्र के अंतर्गत सभी दुकानें एवं अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। प्रभारी अधिकारी द्वारा कन्टेनमेंट जोन में घर पहूंच सेवा के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की जाएगी। कन्टेनमेंट जोन अन्तर्गत सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध। मेडिकल इमरजेंसी को छोड़कर अन्य किसी भी कारण से घर से बाहर निकलना प्रतिबंधित होगा। कन्टेनमेंट जोन की निगरानी हेतु लगातार पुलिस विभाग के द्वारा पेट्रोलिंग की जावेगी। जिला चिकित्सालय व स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से संबंधित क्षेत्र में स्वास्थ्य की निगरानी के साथ ही निर्देशानुसार सेम्पल की जांच की जायेगी।

जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष धर्मेंद्र खुटे के द्वारा होनहार बच्चों का किया गया सम्मान

मुंडा === प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के जिला कार्यकारणी अध्यक्ष धर्मेंद्र खुटे एवं ग्राम पंचायत बरदा के सरपंच अनिल कुमार खुटे दोनों भाईयो के नेतृत्व में कक्षा दसवीं में टॉप लाने वाले गांव के निर्जला जांगड़े पिता धनु जांगड़े ने 96.66 प्रतिशत लोकेश बंजारे पिता दुकालू राम बंजारे ने 91.5 प्रतिशत एवं योगेश्वरी वर्मा पिता साधे राम वर्मा ने 91.33 प्रतिशत पाकर गांव एवं स्कूल का नाम रोशन करने वाले इन होनहार बच्चों के घर घर जाकर मेडल श्रीफल एवं मिठाई खिलाकर उसके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उसके माता पिता को भी बहुत-बहुत बधाई दिये। इस दौरान धनु जांगड़े दिलेश्वर चेलक कृष्ण कुमार घृतलहरे बनवारी बार्वे मुकेश रात्रे महेश डहरिया मैनेजर डहरिया कमलेश वर्मा चरण जोशी शोभाराम बंजारे राजेंद्र जांगड़े आनंदा बंजारे मनसुख पात्रे ओमप्रकाश बंजारे कुंज राम रात्रे उमेद रात्रे मुकेश रात्रे महेश रात्रे देवानंद सरोज परशुराम वर्मा लालू वर्मा शंकर वर्मा राम प्रताप वर्मा उपस्थित थे।

कांग्रेस का वादा, जनता से छलावा :उईके

दंतेवाड़ा। भाजपा जिला महामंत्री पिंटुराम उइके ने नगर पालिका बचेली क्षेत्र में पानी की किल्लत को लेकर कांग्रेस को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल पर आरोप लगाते हुए कहा है कि चुनाव से पहले तो कांग्रेस के नेताओं ने बड़े बड़े हवाई वादा किया था। आज धरातल पर कम से कम एक वादा तो पूरा करें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का वादा जनता के साथ केवल छलावा है और कुछ नही। प्रदेश के मुखिया ने चुनाव के दौरान बचेली वासियों से सुबह शाम घर घर तक पानी देने का वादा किया था। आज वे अपने नेताओं को नगर के वार्डों में जाकर लोगों की परेशानी देखने को तो कहें। लोग पानी के लिए कैसे त्राहि त्राहि हो रहे हैं। लोगों के हजारों फ़ोन और चक्कर काटने के बाद टेंकरों से जल आपूर्ति हो रही है। नगर के कई वार्डों में टेंकरों के पीछे लंबी लंबी लाइन आम बात हो गई है। वहीं नगर प्रशासन द्वारा दिखाने को तो पाईप लाइन बिछा दी गई है, लेकिन पाईप से पानी का एक बून्द घर तक नही पहुंच रहा। श्री उईके ने कांग्रेस के चुनावी वादों को गिनाते हुए कहा कि प्रदेश के मुखिया ने बचेली नगर वासियों को सुबह शाम पानी देने, बिजली का बिल आधा जैसे कई लोक लुभावने वादे किया था। पानी के वादे पर वार्ड वासियों को मिला केवल पाईप, पाईप बिछाने से काम नही चलेगा लोगों के घर तक पानी भी दीजिये जनता प्यास से मर रही है। वहीं बिजली बिल आधा का वादा किया गया था, बिजली को ही आधा कर दिया। आये दिन बिजली की आंख मिचौली लोगों को दिख रहा है। उन्होंने प्रदेश की कांग्रेस सरकार और नगर पालिका को आगाह किया है कि अगर स्थिति को जल्द दुरुस्त नही किया तो वे वार्ड वासियों के विरोध का सामना के लिए तैयार रहें। भाजपा जिला महामंत्री ने जरूरत पड़ने पर उग्र प्रदर्शन से भी पीछे नही हटने की बात कही है।

बरसते बारिश के बीच माता पहुचानी का पर्व मैनपुर क्षेत्र में धुमधाम के साथ मनाया गया

माता शीतला से आर्शीवाद लेने बारी बारी से पहुंचे श्रध्दालु

मैनपुर:- तहसील मुख्यालय मैनपुर सहित ग्राम हरदीभाठा, भाठीगढ़, नाहनबिरी, झरियाबाहरा, गोपालपुर, जिड़ार, मैनपुरकला, बरदूला, बोईरगांव सहित ग्रामों के शीतला मंदिरो मे आज मंगलवार को माता पहुंचानी का पर्व परम्परा अनुसार बरसते पानी के बीच मनाया गया ग्राम के सभी लोग शीतला मंदिरों में पहुचकर मां शीतला की विशेष पुजा अर्चना कर क्षेत्र में सुख शांति समृध्दि की कामना की गई माता पहुंचानी पर्व के चलते एवं वैश्विक महामारी कोरोना वायरस को देखते ग्राम के देवी माता शीतला से आशिर्वाद लेने बारी बारी से लोग पहुंचते रहे और कोरोना महामारी को दूर करने विशेष पूजा अर्चना किया, गांव की देवी माता शीतला के दरबार मे सभी वर्ग के लोग अपनी अपनी मनोकामनाओ को लेकर नारियल, फूल, चावल, आटे से बने रोटी व लाई फुल, पान, पुजा सामग्री लेकर पहुंचे जहां लोगो ने सुख समृध्दि की कामना की गई लोगो का मानना है कि माता के कृपा प्रसाद के रूप दुध, नीबू, नीम के पत्ते से बनाए गए ठंडाई माता के आशिर्वाद के रूप मे भक्तो के उपर छिड़का जाता है जिससे यह ठंडाई समाज से रोगो को दूर करता है वहीं माता के कृपा से फसलो मे घातक कीट व्याधियो का प्रकोप कम रहता है। ग्राम बुजुर्गो से चर्चा करने पर बताया कि यह देवी गांव की रक्षा करती है, गांव को घातक बिमारियो के प्रकोप से बचाती है और आदिकाल से भक्तो की मनोकामना पूरी करती आ रही है जो भी श्रध्दालु आस्था भक्ति से मन्नत मांगने आता है उसकी मनोकामना अवश्य ही पूरी होती है, इस पर्व के दौरान क्षेत्र के शीतला मंदिरो मे सुबह से ही गांव के झांकर पुजारी, बड़े बुजुर्ग, पंच, पटेल एवं ग्रामवासी उपस्थित रहकर देवी देवताओ की अगुवाई की जिसके बाद दर्शन व आशिर्वाद पाने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़े, क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थल पैरी उदगम भाठीगढ में भी माता पहुचानी का पर्व धुमधाम के साथ मनाया गया ।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रो को पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

मैनपुर:- तहसील मुख्यालय मैनपुर के अति संवेदनशील नक्सल प्रभावित क्षेत्र कुल्हाड़ीघाट के दौरे पर पहुंचे गरियाबंद पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और कुल्हाड़ीघाट सीआरपीएफ कैंप में तैनात जवानों को अतिरिक्त सावधानी बरतने के भी निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने जवानो को आवश्यकतानुसार हथियार एवं साफसफाई, सुरक्षा दृष्टिकोण से अतिरिक्त मोर्चा बनाने के निर्देश दिए। श्री पटेल ने कैम्प में तैनात जवानों को नक्सल मूवमेंट पर अतिरिक्त नजर रखने के साथ साथ किसी भी प्रकार की अनहोनी में स्वयं के बचाव एवं वैश्विक महामारी कोविड19 से बचने के लिए राज्य शासन के गाइडलाइन पर अमल करने के भी निर्देश दिए है। कप्तान श्री पटेल जवानों की समस्याओं से भी रूबरू हुए और समस्याओं का निराकरण भी किया उनके इस आकस्मिक दौरे से जवानों में स्फूर्ति का संचार हुआ और उनका मनोबल भी बढ़ा। श्री पटेल ने जवानों को उनकी ड्यूटी के प्रति जिम्मेदारी के लिए धन्यवाद देकर उनका हौसला बढ़ाया। इस दौरान प्रमुख रूप से एसडीओपी पुलिस मैनपुर रूपेश कुमार डाण्डे, सीआरपीएफ सहायक कमांडेण्ट बाबुल हाजरा, थाना प्रभारी मैनपुर भूषण चन्द्राकर सहित पुलिस व सीआरपीएफ के जवान उपस्थित रहे।

जुलाई तक बंद रहेंगे असैनिक विनोद गृह और व्यावसायिक क्लब

दुर्ग । छत्तीसगढ़ शासन वाणिज्यिक कर (आबकारी) विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर के पत्र द्वारा नोबेल कोरोना वायरस के संक्रमण से आम जन को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से रेस्टोरेंट/होटल बार, एफ.एल.-4/4-क क्लब को 22 जून से 28 जून तक बंद करने हेतु आदेश प्रसारित किए गए थे। छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए डॉ. सर्वेश्वर भूरे ने 29 जून से 5 जुलाई तक दुर्ग जिले में संचालित समस्त अल्फ एल 4(असैनिक विनोद गृह) एवं एफ.एल. 4(क) (व्यवसायिक क्लब) को बंद रखे जाने हेतु आदेश दिया गया। आदेश का कड़ाई से पालन किया जावे ।

काले धान और काले गेहूं की खेती को बढ़ावा दे रहे किशोर राजपूत

नवागढ़--नवागढ़ विकास खंड में भी एक विशेष प्रजाति काले धान व गेहूं की खेती की लोकप्रियता बढ़ गई है। नवागढ़ में युवा किसान किशोर कुमार राजपूत इस औषधीय गुण युक्त काले रंग की धान और गेहूं की खेती की शुरुआत की। यह प्रयोग सफल रहा तो नवागढ़ विकास खंड में घूम कर किसानों को काले धान और गेहूं की खेती करने के लिए प्रेरित करना शुरू कर दिया। वहीं इसकी खेती के टिप्स भी बता रहे हैं। कृषि विभाग की मानें तो काले धान व गेहूं की खेती काले रंग की धान और गेंहू में अपने आप में एक सफल अभिनव प्रयोग है।किशोर राजपूत कहते हैं जिस खेती को किसान आज जी का जंजाल समझ कृषि कार्य से मुंह मोड़ रहे हैं, उसे मैंने चैलेंज के तौर पर लिया है इसलिए खेती में कुछ नया करने की जिज्ञासा और बढ़ गई।

क्या है काला धान व काला गेहूं

धान और गेहूं के एक विशेष प्रजाति के रूप में विकसित यह बीज के कई गुणों से भरे हैं। सौ ग्राम काले चावल में 8.5 ग्राम प्रोटीन, 3.5 ग्राम आयरन व 4.9 ग्राम फाइबर पाया जाता है। काले गेहूं में भी आयरन की मात्रा 60 प्रतिशत के करीब होती है। काले गेहूं में एथोसायनिन ज्यादा पाये जाने के कारण यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है। काले धान व गेहूं औषधीय है, जो हार्ट के इलाज के लिए औषधि बनाने में कारगर होता है। डायबिटीज व मोटापा जैसे रोगों में यह कारगर होता है।

ब्लू व बैगनी गेहूं के बीज पर रिसर्च जारी

किशोर राजपूत ने बताया कि इसकी खेती में रासायनिक खादों का उपयोग न के बराबर होता है। उन्होंने बताया कि फसल के लिए पंजाब के नेशनल एग्री बायोटेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट मोहाली के डॉ मोनिका गर्ग ने काले गेहूं के साथ बैगनी और ब्लू गेंहू के बारे काफी रिसर्च किया है। फस्ट फेज में काले गेहूं से इसकी शुरुआत की है। निकट भविष्य में ब्लू व बैगनी गेहूं का भी उत्पादन बड़े पैमाने पर शुरू करने का लक्ष्य है।

औषधीय खेती को बढ़ावा देने पर जोर

किशोर ने नवागढ़ , बेवरा, नेऊर ,मदनपुर,के किसानों को प्रेरित कर काले धान की खेती शुरू करवाया है। किसान सभा में किशोर कृषकों को काले धान व गेहूं की खेती के गुर बता चुके हैं अब तक के रिसर्च और सर्वे के मुताबिक, काले धान की खेती काफी फायदेमंद व स्वास्थ्य के लिए लाभदायी है।

किसानों को खुशहाल बनाना मुख्य लक्ष्य

नवागढ़ निवासी किशोर राजपूत ने बताया कि कम लागत, सीमित भूमि और कम पानी में जैविक आधारित खेती के माध्यम से गुणकारी व औषधीय फसल उत्पादन के क्षेत्र में किसानों के बीच क्रांति पैदा कर उन्हें खुशहाल और आत्मनिर्भर बनाना उनके जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य है।

क्या है मार्केटिंग प्लानिंग

काले धान व गेहूं की खेती को बढ़ावा देने के साथ इसका सर्वसुलभ मार्केटिंग की आवश्यक है। किशोर ने बताया कि व्यापारी और बाजार दोनों की तलाश जारी है। ऑनलाइन मार्केटिंग में भी स्कोप खोजा जा रहा है।

फिलहाल क्षेत्र के किसान बीज और उत्पाद के एक-एक किलो वजन के आकर्षक पैकेट तैयार कर रहे हैं। इस पर ब्रांडिंग समृद्धि ब्लैक राइस व समृद्धि ब्लैक व्हीट किया गया है। इस पर समृद्धि मल्टीलेयर नैचुरल फार्मिंग नवागढ़ दर्शाया गया है।किशोर के अनुसार, अब धीरे-धीरे ग्राहकों की समस्या भी दूर हो रही है। किशोर बताते हैं कि अब बहुप्रतिष्ठित ऑनलाइन सेवा प्रदाता कंपनी एमेजॉन एवं फ्लिपकार्ट के साथ करार होना अंतिम चरण में है

रेडजोन राजनांदगांव में प्रशासन को चुनौती देते कई दुकानदार सम्पूर्ण लाकडाउन मे भी कर रहे मनमानी !

सीएम या प्रभारी मन्त्री के निर्देश का हो रहा इंतजार

राजनांदगांव । प्रदेश मे राजनांदगांव नगरनिगम क्षेत्र को शासन ने रेडजोन घोषित किया है। इसके साथ रेडजोन की सूची में राजनांदगांव जिले के विभिन्न ब्लाक व तहसील के तहत खैरागढ़ ,मानपुर ,मोहला,डोगरगांव,डोगरगढ ,घुमका,अम्बागढ चौकी,छुरिया को भी रखा गया है। केवल एकलौता छुईखदान ब्लाक ही आरेंज जोन मे है। राजनांदगांव नगरनिगम क्षेत्र में प्रशासन ने दो दिन शनिवार व रविवार के बाद सोमवार से पुनः आगामी आदेश तक सम्पूर्ण लाकडाउन की घोषणा की है परन्तु प्रशासन अपने ही नियमो का पालन कराने में अक्षम साबित हो रहा है।बीते शनिवार व रविवार को सम्पूर्ण लाकडाऊन के दौरान नगरनिगम क्षेत्र में कुछ दुकानदारो के आधा शटर खोलकर व्यापार करने का असर सोमवार के बाद आज मंगलवार को भी स्पष्ट रुप से देखने मिला,। जब शहर के प्रमुख गुडाखु लाईन,जी ई रोड सहित आऊटर के क्षेत्रो मे कई दुकानदारो ने पूरा शटर खोलकर व्यापार करते हुए सम्पूर्ण लाकडाउन के नियमो का खुलेआम उल्लंघन किया। यह सब जानकर प्रशासन कारवाई करने की बजाय आंख मूदकर बैठा रहा। इससे नगर निगम क्षेत्र मे अन्य बन्द दुकाने भी पूरी तरह खुल जाय तो कोई आश्चर्य की बात नही होगी। बीते शनिवार व रविवार के अलावा सोमवार के बाद आज मंगलवार को जीई रोड मे स्थित प्रसिद्ध मिठाई दुकान जलाराम मिष्ठान भंडार का संचालक तो सुबह नौ बजे से एक बजे तक आधा शटर खोलकर जमकर मिठाई ,नमकीन की बिक्री करता रहा । तीन दिन के बाद आज उसने दिखाने के लिये किसी अधिकारी की सलाह पर एक बर्तन मे दो किलो खोवा रखा था।लाकडाउन के पूर्व के दिनो मे भी इस दुकान मे बडी सँख्या में प्रवेश कर मिठाई व अन्य सामान खरीदते देखने पर पुलिस अथवा प्रशासन के अधिकारी यहां से वाहनो मे जाते समय कारवाई करने की बजाय मुंह फेरते नजर आते है।कुछ लोगो ने यह भी खुलासा किया कि यहां हर माह कई लोगो को महीने मे मिठाई अथवा कुछ विशेष लाभ मिलता है।इसके चलते कभी इस दुकान पर कारवाई नही होती है।हालांकि यहाँ पर पूर्व के एसडीएमबीएल गजपाल ने अवैध मिट्टीतेल के संग्रहण पर इस दुकान पर कारवाई की थी पर उसके बाद इस दुकानदार को नियम कानून तोडने की विशेष छुट कही न कही मिलीभगत की ओर इशारा करती है।इस बात की चर्चा चौक चौराहे पर अकसर सुनने मिल रही है कि सब कुछ मंथली मिठाई खारा व अन्य तय है।इसके चलते कारवाई से पहले उस दुकानदार को खबर कर दी जाती है। प्रशासन के एक जिम्मेदार अधिकारी का कहना है कि डयूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियो को यह खुलेआम दुकान के अन्दर जाकर मिठाई व नमकीन के लिये जाते लोग नही दिखते है ।फिर भी वह खामोश क्यों रहते है। यहां बिकने वाली घटिया रसमलाई को लेकर भी गत दिनो कलेक्टर को शिकायत भी हुई है।इसी तरह सम्पूर्ण लाकडाउन के तीन दिन सुबह से गुडाखु लाईन में किसान बूट हाउस ,रमेश किराना दुकान ,हरिओम ,आदि दुकानो मे आधा शटर खोलकर सामान दिया जाता रहा ।कुछ अन्य दुकाने भी जीई रोड भरकापारा मे इसी तरह खुली रही। सोमवार के बाद आज मंगलवार की सुबह से रामाधीन मार्ग में अरिहन्त बाजार, सहित शहर के कुछ अन्य माल में भी आधा शटर खोलकर गाहक की अन्दर प्रवेश देकर खुलकर सामान की बिक्री होती रही। टोटल प्रतिबन्ध के बाद तीन दिन तक जलाराम मिष्ठान सहित अन्य कुछ दुकानो को खुलेआम व्यापार करने की छुट मिलने का असर यह रहा कि आज मंगलवार को कामठी लाईन, बसन्तपुर,मोतीपुर, कैलाशनगर ,गुडाखुलाईन,सिनेमालाईन , जयस्तंभ चौक,आजाद चौक , ,गोलबाजार आदि क्षेत्रो की कुछ अनाज , किराना ,लोहा सामान,ज्वेलरी ,कपडा ,स्टेशनरी की दुकानो मे जमकर भीड सोशल डिस्टेंस का खुला उल्लंघन करते नजर आयी और दुकानदार सामान देकर बिना चिंता के नोट गिनते नजर आये। इसमें गुडाखुलाईन की हरिओम अनाज दुकान में भारी भीड देखने लायक रही। यहां के स्थायी फल दुकानदार भी यह कहते फल बेच रहे थे कि कोई कुछ नही करेगा,हम तो हर दिन फल बेचेगे। यहां प्रकाश चन्द नेमीचन्द किराना दुकान मे भारी भीड की खबर पर सोमवार को दो नायाब तहसीलदार यहां एक सिपाही के साथ पहुंचे थे,परन्तु एक भाजपा नेता के हंगामे के चलते वापस लौट गये। उनके साथ सुरक्षा व सहयोग के लिये पुलिस के केवल दो सिपाही थे। आज मंगलवार को खुलेआम दुकान खोलने वाले दुकानदार प्रशासन को कारवाई करने की खुली चुनौती देते नजर आये कि दम है तो बडा फाईन या महामारी एक्ट अधिनियम में कारवाई कर बताये।यह भी पता चला है कि ऐसे दुकानदारो को सत्ता व विपक्ष के नेताओ का समय समय पर खुला संरक्षण भी मिलता रहा है।जिसके चलते भी यह बेखौफ होकर शासन प्रशासन के नियमो का खुला उल्लंघन करने से बाज नही आते है। लाकडाउन में कारवाई के नाम पर प्रशासन ने कारवाई के नाम पर नंदई मे संजय किराना स्टोर व कमला कालेज के प्रतीक किराना स्टोर व कुछ अन्य दुकानदारो पर कारवाई की है, पर यह ऐसे दुकानदारो पर कोई असर नही डाल पाई है। प्रशासन द्वारा दो तीन दिन मे सही ढंग से नियम कानून में सख्ती न करने का असर आगामी दिनो मे शहर में आसानी से दिख सकता है। कई व्यापारी कह रहे है कि कई दुकानदार को व्यापार की छुट मिल रही है तो हम क्यों नही अपनी दुकान चालू रखेगे।एक बात भी ध्यान देने की रही कि लखोली सहित शहर के अन्य क्षेत्रो मे दिन प्रतिदिन बडी संख्या में कोरोना मरीज मिलने के बाद भी लोग बिना मास्क के बेवजह घुमते नजर आ रहे है।ऐसे समय में यह दुकानदार उन्हें दुकानें खुला रखकर आन्मत्रण दे रहे है।नियमो का उल्लंघन करने वाले दुकानदारो पर समय पर कारवाई न होने का एक कारण अलग अलग टीम का गठन नही होना भी नजर आता है।इस टीम का गठन कर ऐसे दुकानदारो पर सख्त कारवाई करना चाहिये । प्रतिदिन नगरनिगम के विभिन्न क्षेत्रों से नये कोरोना मरीज व कम्यूनिटी स्पेडिग के खतरे को देखते हुए यह और जरुरी हो गया है। हाल मे ही पदस्थ कलेक्टर टी के वर्मा को इस ओर ध्यान देकर संबधित अधिकारियो को कडी कार्यवाही के निदेश देने की अपेक्षा की जा रही है नही तो यही मैसेज बाजार मे चल रहा है कि कोई कही भी शिकायत कर ले, कही कुछ होने वाला नही है।यह दुकानदार नियम कानून को तोडकर अपनी मनमानी करते रहेगे। यह भी शहर मे जमकर चर्चा है कि विभिन्न वाटसअप समूहो मे जागरुक नागरिक व मीडिया के लोग ऐसे दुकानदारो के दुकानो की फोटो खीचकर डाल रहे है और कलेक्टर व अन्य जिम्मेदार अधिकारी भी उसे देख रहे है परन्तु त्वरित कारवाई नही कर रहे है ।ऐसे मामलो में उनकी खामोशी से यह चर्चा चल पडी है कि कलेक्टर कोरोना के राजनांदगांव हाट स्पाट क्षेत्र में भी अपने नियम को सख्ती से लागु कराने के लिये अब शायद सीएम ,प्रभारी मन्त्री के आदेश की प्रतीक्षा कर रहे है।

फ्लाई ओव्हर के नीचे सब्जी व फल पसरा स्थल का मुआयना के साथ बैठक सम्पन्न*

राजनांदगांव । नगर निगम राजनांदगांव की महापौर श्रीमती हेमा देशमुख द्वारा कलेक्टर श्री टोपेश्वर वर्मा को फ्लाई ओव्हर के नीचे सब्जी और फल पसरा लगाने के संबंध में सौपे गए ज्ञापन के परिपेक्ष में कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। अपर कलेक्टर ओंकार यदु ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पसरा लगाने से संबंधित हर पहलु पर चर्चा हुई और बैठक का प्रतिवेदन कलेक्टर टोपेश्वर वर्मा के समक्ष प्रस्तुत करना प्रस्तावित किया गया। अपर कलेक्टर ओंकार यदु सहित सभी अधिकारियों ने कलेक्टोरेट के सामने फ्लाई ओव्हर का मौका मुआयना भी किया। बैठक में आयुक्त नगर निगम चंद्रकांत कौशिक, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग भवन एवं सड़क डी के नेताम, एसडीएम राजनांदगांव मुकेश रावटे, नगर पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मणीशंकर चंद्रा, नगर निगम के राजस्व अधिकारी संदीप तिवारी, उप राजस्व निरीक्षक सुरेन्द्र साव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

लखोली क्षेत्र में कोरोना को लेकर शासन प्रशासन चिंतित नहीं - मनीष साहू

राजनांदगांव । लखोली वार्ड क्रमांक 32 के युवा पार्षद मनीष साहू ने एक जारी बयान में कहा है कि जिस प्रकार से लखोली में दिन प्रतिदिन कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ रही है।इसके लिए शासन प्रशासन स्वयं जिम्मेदार है । पार्षद मनीष साहू ने इस संबंध में कहा कि शहर कांग्रेस कमेटी के द्वारा कलेक्टर को पत्र प्रेषित करते हुए कहा है कि वर्तमान में लखोली क्षेत्र में कोरोना महामारी के ज्यादा संख्या में आए मरीजों के क्षेत्र में पूरे लखोली क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सेनीटाइजर छिड़काव एवं ब्लीचिंग पाउडर तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधित कार्य का आज तक अभाव है । अभी वर्तमान में लखोली क्षेत्र में कोरोना महामारी के चलते 2 लोगों की जान जा चुकी है। अभी हाल ही में 45 से ज्यादा लोगों की मेडिकल रिपोर्ट इसी क्षेत्र के कोरोना पॉजिटिव की है तथा बहुत से लोगों के टेस्ट हुए हैं जिनके रिपोर्ट अभी नहीं आई है वर्तमान में सेठी नगर, जनता कॉलोनी को छोड़ अन्य जगह कहीं भी उक्त विषयान्तर्गत कार्य नहीं हुआ है ।आपातकाल की इस स्थिति में सफाई व्यवस्था, सेनीटाइजर छिड़काव एवं ब्लीचिंग पाउडर तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधित कार्य तत्काल कराना चाहिये परन्तु शासन प्रशासन गहरी नींद मे है। इसी प्रकार लखोली वार्ड क्रमांक 35 के पार्षद भागचंद साहू व लखोली वार्ड क्रमांक 33 के पार्षद प्रतिनिधि गणेश साहू ने कहा है कि 2 दिन पहले शासन प्रशासन के द्वारा कोरोना के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उक्त विषय में बैठक रखा गया था जिसमें लखोली के पांचो पार्षदों को बुलाया गया था और बैठक में निर्णय लिया गया था कि लखोली को सील किया जाएगा ।लेकिन ऐसा नहीं हुआ ।लखोली सेठी नगर के अलावा बाकी अन्य वार्डों में बैरिकेटस नहीं लगाया गया जिसके कारण से आसपास के लोग इस वार्ड से उस वार्ड आना-जाना कर रहे हैं। जिससे लखोली वार्ड में संक्रमण बढ़ने का खतरा और अधिक बढ़ सकते हैं ।

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि योजनांतर्गत नगरीय क्षेत्र फुटकर छोटे विक्रेताओं को मिलेगा 10 हजार रुपये का लोन*

बीजापुर। जूते.चप्पल फैंसी.मनिहारी कपड़े इत्यादि दुकान लगाने वाले फुटकर विक्रेताओं को राष्ट्रीयकृत बैंकों तथा अन्य माइक्रो फाइनेंस कम्पनियों के माध्यम से 10 हजार रुपये तक का लोन उपलब्ध कराया जायेगा। प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना का उद्देश्य वैश्विक महामारी कोविड काल में फुटपाथ पर दुकानें लगाने वाले छोटे फुटकर विक्रेताओं को पुनः अपना व्यापार.कारोबार शुरू करने के लिए सहायता प्रदान करना है। इस योजनांतर्गत फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले फुटकर विक्रेताओं को 10 हजार रुपये तक का लोन एक साल की अवधि के लिये प्रदान किया जायेगाए उक्त ऋण पर 7 प्रतिशत की ब्याज दर की रियायत होगी।जिसके लिये कोई भी पूंजीगत अनुदान नहीं लिया जायेगा। नियमित तौर पर ऋण की अदायगी करने वाले फुटकर विक्रेताओं को भविष्य में ऋण की जरूरत होने पर बढ़ाकर ऋण प्रदान किया जायेगा। अतएव जिले के नगरीय ईलाके के फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले फुटकर विक्रेता इस योजना से लाभान्वित होने के लिए सिटी प्रोजेक्ट ऑफिसरए राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशनए नगर पालिका परिषद बीजापुर में सम्पर्क कर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। वहीं दूरभाष नम्बर 07853.220127 पर सम्पर्क किया जा सकता है। प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए नगर पालिका परिषद बीजापुर सहित नगर पंचायत भैरमगढ़ एवं भोपालपट्नम के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस योजना सम्बन्धी जानकारी तथा आवेदन पत्र इत्यादि के लिए उक्त नगरीय निकायों के सीएमओ से सम्पर्क किया जा सकता है।

हजारों की भीड़ के साथ देवी देवता भी पहुंचे बीजापुर

बीजापुर -ः विदित हो कि तेंदूपत्ता संग्रहण कर्ता जंगलों में अपने जान को जोखिम में डालकर खड़ी धूप में कमर तोड खून पसीने की मेहनत से तेंदूपत्ता संग्रहण किए संग्राहकों से सरकार ने खरीद की गई जिसका पेमेंट लेने घरेलू काम काज व एक दिन का मजदूरी छोड़कर दूध मुंहे बच्चों को गोद में लेकर पच्चसो किमी की दूरी पैदल तय कर जिला मुख्यालय पहुंचकर बैंकों के समक्ष तेंदूपत्ता का पेमेंट लेने अपना नंबर लगाने के लिए खड़ी धूप में कतार में खड़े होकर अपने नंबर का इंतजार करते हैं, मसलन ऐसे कई दफे कई नजारे बैंकों के सामने पेमेंट के दौरान देखा जा सकता हैं,लाईन के आख़िर में खड़े उस अशिक्षित लोगों का नंबर लगा ही नहीं या फिर कई दफे उन्हें खाता पेमेंट आहरण करने में नेटवर्क में लिंक पेल तो कभी सर्वर डाउन जैसे तकनीकी प्रॉब्लमो से रोज रोज का आना और गंतव्य के ओर बगैर पेमेंट के बैरंग लौट जाना लोगों को ना गंवार गुजरा । इस लिहाज़ से बीहड़ों में गुजर बसर करने वाले 15 गांवों के तमाम मुफलिसी आदिवासियों में सिस्टम के खिलाफ उपजा जनाक्रोश अपने हक को मनवाने के लिए तोडका, पुसनार ,पालनार के देवी, देवताओं के अलावा इसी क्षेत्र के अन्य ग्राम के देवताओं के साथ तीर कमान कुल्हाड़ी भी लेकर आना पड़ा । उल्लेखनीय है कि तनावपूर्ण माहौल में किसी प्रकार की विपत्ति, संकट आदि का सामना करने के लिए सुरक्षा में चौकन्ना राजकीय जनरक्षक के मार्फत लगाए गए बैरिकेट्स भी आक्रोश की भीड़ को रोकने में नाकामयाब रही । वही हजारों के तादाद में रही भीड़ बैरिकेट्स को धकेलकर नगर में भागकर प्रवेश कर गई। आखिर तेरह मांगों को लेकर नगर में हल्ला बोले ।जिसमें तेंदूपत्ता का नगद पेमेंट 2018.19 का बोनस बढ़ती डीजल पेट्रोल के दर में सरकार कटौती करें तथा समस्त ग्राम पंचायतों में स्वास्थ्य केंद्र स्कूल खोला जाय । आदिवासी छात्र छात्राओं को शिक्षा से वंचित करना बंद करें , कोरोना संकटकालीन में आमजनों को परेशान करना बंद करें, छोटे मोटे व्यापारियों तथा मुफलिसी किसानों प्रताड़ित ना करें, ,पडमुंशियों को सरकार मानदेय प्रदान करें,जल जंगल जमीन पर आदिवासियों के हक को ना छिना जाय,एन आर पी ,एन आर सी, सी ए ए जैसे कानून को रद्द करें , जिसमें तेंदूपत्ता नगद पेमेंट करने के लिए विधायक का प्रयास और कलेक्टर के आश्वासन से संतुष्ट हुए ग्रामीणों ने कहा दो दिवस के अंदर पेमेंट नहीं हुआ तो यही ग्रामीण इसी जगह पें करेंगे धरना-प्रदर्शन ।

पार्षद भागचंद साहू के पहल पर लखोली को किया गया सैनिटाइज

राजनांदगांव । लखोली वार्ड क्रमांक 35 के पार्षद व पुनर्वास तथा नियोजन विभाग के चेयरमैन भागचंद साहू के पहल से लखोली वार्ड क्रमांक 35 को सैनिटाइज किया गयाद्य इसके अलावा कुछ जगह बचा हुआ हैद्य उन्हें दिन प्रतिदिन सैनिटाइज किया जाएगा पार्षद ने बताया कि कोरोना संक्रमण के मरीज लखोली के क्षेत्र में बढ़ते जा रहे हैं इसे देखते हुए लखोली वार्ड क्रमांक 35 को सेनेटाइज करने का काम किया गया है ।रोड किनारे स्थित दुकान व घर के बाहर केमिकल का छिड़काव करने के साथ-साथ सैनिटाइज करने का काम सुचारू रूप से किया जा रहा है ।जिसमें लखोली दुर्गा चौक, चक्की पारा, पुरानी बस्ती, आदर्श चौक, नाईपारा सहित अन्य चौक चौराहा को प्रतिदिन लगातार सैनिटाइज किया जाएगा। पार्षद भागचंद साहू के द्वारा लखोली वार्ड क्रमांक 35 में गंभीरता दिखाते हुए सुबह से शाम तक साफ सफाई के अलावा सुबह कचरा उठाने वाले स्वच्छता दीदियों को हिदायत देते हुए उनके कामों को तत्परता से कराया जाता है और साथ ही साथ सुबह ब्लीचिंग पाउडर का नालियों में छिड़काव सहित साफ सफाई पर विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है । इसके अलावा वार्ड वासियों को सोशल डिस्टेंसिंग, चेहरे पर मास्क के अलावा सेनीटाइजर का उपयोग करने की सलाह दिया जा रहा है इसके अलावा शासन प्रशासन जो नियम तय किया है उन्हें पार्षद के द्वारा वार्ड वासियों को समझाइश देने के अलावा नियमों का पालन भी कराया जा रहा है ।

पाण्डुका अंचल में मास्क न लगाने वाले लोगो पर कार्यवाही की गई

पाण्डुका/नवापारा राजिम अंचल में मास्क न लगाने वाले लोगो पर चारोधाम चौक में पुलिस एंव ग्राम पंचायत पाण्डुका द्वारा कार्यवाही की गई। जिसमें जो लोग मास्क नही पहने हुये थे उनका चालान काटा गया। यह जरूरी अभियान गरियाबंद जिला कलेक्टर श्री देहरे , एस पी श्री पटेल , एडिशनल एस पी के दिशा निर्देश पर किया गया। जिसमें 39 लोगो का चालान पाण्डुका थाना के टी आई एंव पुलिस स्टाफ और ग्राम पंचायत पाण्डुका के सचिव विष्णु साहू द्वारा काटा गया।

महिला की दर्दनाक मौत

अम्बिकापुर- आज दोपहर सीतापुर मुख्य मार्ग में ट्रक की चपेट में आने से 50 वर्षीय महिला की दर्दनाक मौत हो गई महिला नगर पंचायत में सफाई कर्मी का काम करती थी घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी चालक को ट्रक समेत हिरासत में ले लिया है पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी से मिली जानकारी के अनुसार सीतापुर की रहने वाली 50 वर्षीय झनन्नी बाई सीतापुर नगर पंचायत में सफाई कर्मचारी के पद पर पदस्थ आज दोपहर वह काम कर घर लौट रही थी तभी अंबिकापुर की ओर आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया हादसे में वृद्ध महिला की दर्दनाक मौत हो गई ।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मंडल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना
(द्वितीय आमंत्रण)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु आन लाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

एन.आई.टी क्र. /सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा डाऊनलोड करने की अंतिम तिथि
1.	2.	3.	4
54/64760	CONSTUCTION OF FIRST FLOOR OF NEW PHARMACY BULDING AT AURVEDIC COLLAGE CAMPUS RAIPUR(C.G.) (Balence work)	रु.36.16 लाख	दिनांक 10.7.2020 समय 17.30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारीhttp//eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाऊनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि.रायपुर मंडल रायपुर (छ.ग.)

G/ 81986/3

कोरोना को मात देकर सकुशल लौटे विधायक*

राजनांदगांव।डोंगरगांव क्षेत्र के विधायक दलेश्वर साहू रायपुर से आज कोरोना को मात देकर अपने घर वापस लौट आये हैं। घर लौटने पर विधायक की धर्मपत्नी श्रीमती जयश्री साहू ने विधायक दलेश्वर साहू की आरती उतारकर स्वागत किया।

विधायक दलेश्रर साहू कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद एम्स रायपुर में स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे।

विधायक की पत्नी जयश्री साहू ने बताया कि आगामी एक सप्ताह तक रायपुर एम्स में स्वास्थ्य लाभ लेने के दौरान वे किसी से मुलाकात नहीं करेंगे ।

न्यायालय तहसीलदार कवर्धा जिला कबीरधाम (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. ब / 121/ वर्ष 2019-20
ग्राम कवर्धा प.ह.नं.03

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम कवर्धा प.ह.नं.03 रा.नि.मं.कवर्धा तहसील कवर्धा को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुरली झारिया पिता बिसराम झारिया निवासी ग्राम कवर्धा तहसील कवर्धा जिला कबीरधाम (छ.ग.) द्वारा अपने भाई जोहन लाल झारिया की मृत्यु दिनांक 23.9.2005 का मृत्यु पंजीयन करने हेतु रजिस्ट्रार / नगर पालिका परिषद कवर्धा जिला कबीरधाम (छ.ग.) को मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 एवं छ.ग.जन्म मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत निर्देश देने हेतु शपथ पत्र एवं विलंबित जन्म मृत्यु का पंजीयन किये जाने प्रस्तुत अनुपलब्धता प्रमाण पत्र पंचनामा आधार कार्ड की फोटो प्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जिसके सबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है जिसकी सुनवाई दिनांक 2.7.2020 को नियत किया गया है।

अतः आवेदक के भाई जोहन लाल झारिया पिता बिसराम झारिया के मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा / आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के् पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार आज दिनांक 17.6.2020 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
जिला कबीरधाम

न्यायालय तहसीलदार सिमगा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग)

रा.प्र.क्र. ब / 121/ वर्ष 2019-20
निवासी ग्राम कास्तकार
ढेकुना प.ह.नं.03

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता ग्राम कास्तकार ढुकुना प.ह.नं.03 राजस्व निरीक्षक मंडल व तहसील सिमगा जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक ओम सैठिया पिता शांतिलाल उम्र 54 ढेकुना तहसील सिमगा प.ह.नं.03 रा.नि.मं.व तहसील सिमगा जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ.ग. में कृषि भूमि स्थित है जिसका खसरा नं,26,99 कुल रकबा 0.170,0.150 हे.कुल खसरा नं.02 कुल रकबा 0.320 हे.उक्त मूल प्रति ऋण पुस्तिका दिनांक 1.3.2020 को सिमगा में गुम हो गया है जिसे ढुढने पर भी प्राप्त नहीं हुआ है जिसके चलते मुझे कृषि कार्य में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है इसलिये आवेदक द्वारा आवेदन पत्र में थाना रिपोर्ट शपथ पत्र बी-1 नक्शा खसरा बैंक नोड्यूज आधार कार्ड ऋण पुस्तिका की छायाप्रति संलग्न कर आवेदक द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त आवेदित भूमि का आवेदक को द्वितीय प्रति किसान किताब जारी हेतु दैनिक समाचार पत्र में पेपर प्रकाशन किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति दावा हो तो वह स्वंय या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 30.6.2020 तक दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं नियत समयावधि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। अतएव आज दिनांक 25.5.2020 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय कर पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

तहसीलदार
सिमगा

जिला मुख्यालय से 15 की मी दूर एंव मुख्य सड़क से 5 कि.मी. दूर आजादी के 73 साल बाद भी मूलभूत सुविधाये नही- पहली बार सांसद प्रतिनिधि टीकमचंद साहू पहुचें

पाण्डुका/नवापारा राजिम- आजादी के 73 साल बीत गये आपको जानकर यह आश्चर्य होगा छ.ग. राज्य अलग होने के बाद कोने कोने में विकास की गंगा सभी सरकारो ने बहाई है क्योकि प्रचुर मात्रा में संसाधान और राजस्व होने की वजह से उन्नती के सब संसाधन भरपूर रहे है लेकिन आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि गरियाबंद जिला मुख्यालय से लगभग 15 कि.मी. दूर और गरियाबंद जिला के वन्य ग्राम बारूका के आश्रित ग्राम बरेठिन कोन्हा और एक गांव है गहन्दर यहा पर जनपद के सांसद प्रतिनिधि एंव पूर्व जनपद सभापति टीकम चंद साहू विगत दिनो पहुचे उनके साथ पाण्डुका वन परिक्षेत्र के रेंजर मरकाम थे तो वहा की दुर्दशा देखकर भौंचक रह गये आखो में विश्वास नही हुआ मुख्य सड़क से मात्र 3 कि.मी. दूर सरकार द्वारा संरक्षित विशेष जनजाति भुजिया कमार और अन्य जनजातियो के इस गांव में रोड अब तक नही बनी है बिजली खंभे गड़ चुके है लेकिन उनमें तार नही लगे है उसका कारण यह है कि तत्कालिन वन परिक्षेत्र अधिकारी पाण्डुका ने बड़ी संख्या मे पेडो के कटने का वास्ता देकर ऑबजेक्शन लगाकर 4 साल पहले रोक दिया था तो स्थिति यथावत है इस गांव में न स्कूल है न ही आंगनबाड़ी यहा के लोग आदिम युग की जिंदगी जी रहे है बच्चे पढ़ाई के लिये गरियाबंद , बारूका या अन्य जगहो पर जहा उनके परिचित रिश्तेदार रहते है वहा चले जाते है सांसद प्रतिनिधि टीकमचंद साहू ने जब गांव के निवासी भंवर भुजिया , रामसाय भुंजिया , मुरही ध्रुव , कन्हैया भुंजिया , नरोत्तम भुजिंया , मनहरण भुजिया , फूलसिंग ध्रुव आदि ग्रामीणो से बात की तो इन लोगो ने आंख में आंसू लेते हुये कहा कि किसी भी तरह यहा बिजली ,सड़क और स्कूल , आगंनबाड़ी की व्यवस्था करवा दिजिये हम लोग बेहद कष्टकारी जिंदगी जी रहे है हर 5 साल में वोट तो देते है लेकिन हमारी कोई नही सुनता रात के घुप अंधेरे में बाल बच्चो सहित अपने घरो में दुबक जाते है सांप बिच्छू एंव जगली जानवरो का भय बना रहता है।

बीमार पड़ने और वृद्धो , महिलाओ तथा बच्चो को भारी कष्ट- गांव के निवासीयो ने सांसद प्रतिनिधि टीकमचंद साहू को बताया कि हम जवानो लोगो को तबियत खराब होने पर किसी तरह गरियाबंद बारूका पहुच जाते है लेकिन महिलाये , बच्चे और वृद्ध की तबियत खराब होने पर ईलाज के लिये ले जाना बहुत कष्टकारी होता है साइकिल में पीछे बिठाकर पैदल या चारपाई में लेटाकर जाना पड़ता है अत: केन्द्र और राज्य सरकार दोनो से हमारी मांग है हमारी दुर्दशा पर तरस खाकर हमे इस नर्क रूपी जिंदगी से सामान्य जिंदगी जिने के साधन मुहैया कराये।

पास में ही ऐसा गांव गहन्दर भी है- सांसद प्रतिनिधि टीकमचंद साहू ने बताया कि ऐसी ही स्थिति परिस्थिति वाला बारूका ग्राम पंचायत आश्रित ग्राम गहन्दर भी है जो बारूका से पैदल जाने में 6-7 कि.मी. पड़ता है सांसद प्रतिनिधि ने छ.ग. वाच ब्युरो चीफमहेन्द्र सिंह ठाकुर को बताया कि जब वे पिछले सत्र में जनपद वन सभापति थे तो प्रयास कर तत्कालीन संसद सदस्य चन्दू लाल साहू , तत्कालिन गरियाबंद कलेक्टर श्याम धावड़े सहित बाईक से गये थे तो तत्कालिन सांसद की पहल पर सौर उर्जा लाईट एंव गली कांक्रीटी करण किया गया था सड़क और बिजली की आश्वासन मिला थ जो पूरा नही हुआ यहा भी मूलभूत सुविधा की बेहद आवश्यकता है पूर्व पंचायत मंत्री एंव क्षेत्रिय विधायक अमितेश शुक्ला का कथन- सीजी वॉच ब्युरो चीफ महेन्द्र सिंह ठाकुर नें बरेठिन कोन्हा और गहन्दर के बारे में जब पूर्व पंचायत मंत्री और क्षेत्रिय विधायक अमितेश शुक्ला से बात किया तो उन्होने कहा दोनो गांवो के समूचित विकास का प्रबंधक मेरी सर्वोच्च प्रथामिकता होगी और मैं तत्काल गरियाबंद कलेक्टर और सभी सरकारी अमले को इस बारे में निर्देशित करूंगा कि इन दोनो गांवो का समूचित विकास करना है जो भी प्रशासनिक समस्याये है उन्हे दूर किया जाये मैं स्वंय सबसे पहले प्रशासनिक अमले के कार्यो की मानीटरिंग करूंगा।

हरेली पर्व के
शुभ अवसर पर होगी
इस अभिनव योजना
की शुरुआत

गोधन न्याय योजना

निर्धारित दर पर सरकार करेगी गोबर की ख़रीदी

पशुपालकों को
लाभ पहुंचाने वाला
देश का पहला राज्य
छत्तीसगढ़

- गौ-पालन और गोबर प्रबंधन से पशुपालकों को होगा लाभ
- गांवों में बढ़ेंगे रोजगार और अतिरिक्त आय के अवसर
- लाभप्रद गौपालन, गोबर प्रबंधन व पर्यावरण सुरक्षा
- सहकारी समितियों से बिकेगा वर्मी कम्पोस्ट
- सरकार करेगी जैविक खाद की मार्केटिंग की व्यवस्था
- शहरों में खुले में घूमने वाले पशुओं की होगी रोकथाम, जानमाल एवं फसल नुकसान पर लगेगी लगाम

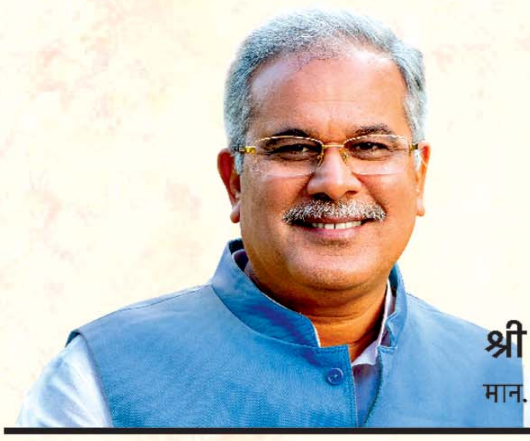

श्री भूपेश बघेल
मान. मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

गढ़बो नवा छत्तीसगढ़

'गोधन न्याय योजना' बनेगी वरदान
पशुपालकों के चेहरे पर लाएगी मुस्कान

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक- रामअवतार तिवारी द्वारा रेलवे क्रासिंग के पास सिटी सेंटर के सामने न्यू बस स्टैण्ड पंडरी, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं मुद्रित। डाक पंजीयन-छ.ग./रायपुर संभाग/42/2015/17, RNI NO.-Chhhin/2005/15146 Ph : 0771-4048837 Email- cgwatchraipur@gmail.com